मूल्य 1 रु.
वर्ष: 10 - अंक : 25, मुंबई, शनिवार, 21 मार्च, 2020 ■ RNI.NO. MAHHIN/2010/34146 ■ संपादक: दिलशाद एस. खान

दैनिक मुंबई हलचल

भारत सरकार द्वारा विज्ञापन हेतु मान्यता प्राप्त ®
अब हर सच होगा उजागर

गृहमंत्री अनिल देशमुख ने कहा- होम क्वारंटाइन के बावजूद बाहर घूमते मिले तो दर्ज होगी एफआईआर

मुंबई। 49 कोरोना संक्रमित मामलों के साथ महाराष्ट्र देश का ऐसा राज्य बन गया है, जहां सबसे ज्यादा कोरोना के मरीज हैं। अब तक यहां 958 लोगों की कोरोना जांच हुई, जिसमें से 913 लोग नेगेटिव हुए हैं। जांच में कोरोना नहीं आने के बावजूद सरकार ने इन्हें 14 दिन के लिए होम क्वारंटाइन करने का आदेश दिया है। इसके बावजूद कई लोग बाहर घूम रहे हैं। ऐसे करने वालों पर सख्ती बरतते हुए राज्य के गृहमंत्री अनिल देशमुख ने कहा है कि आदेश का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की जाएगी।

(शेष पृष्ठ 5 पर)

7 साल, 3 महीने और 4 दिन बाद मिला इंसाफ

तिहाड़ में चारों दुष्कर्मियों को फांसी, मोदी ने कहा- न्याय की जीत हुई

संवाददाता

नई दिल्ली। 7 साल, 3 महीने और 4 दिन के बाद वह सुबह आ ही गई, जब निर्भया सच में मुस्कुराई। शुक्रवार सुबह साढ़े पांच बजे उसके सभी दोषियों को एक साथ तिहाड़ जेल में फांसी पर लटका दिया गया। 16 दिसंबर 2012 की रात दिल्ली में छह दरिंदों ने निर्भया से दुष्कर्म किया था। एक ने जेल में खुदकुशी कर ली थी, दूसरा नाबालिग था इसलिए तीन साल बाद छूट गया। बाकी बचे चार- मुकेश (32), अक्षय (31), विनय (26) और पवन (25) अपनी मौत से 2 घंटे पहले तक कानून के सामने गिड़गिड़ाते रहे। अंत में जीत निर्भया की ही हुई।

(शेष पृष्ठ 5 पर)

दोषियों को फांसी देने वाले जल्लाद ने कहा- मरने से पहले दरिंदों को कोई पश्चाताप नहीं था, मैंने अपना धर्म निभाया

निर्भया की मां ने कहा- आज का सूरज निर्भया के नाम, देश की महिलाओं और बेटियों का शुक्रिया

अन्ना हजारे ने तोड़ा मौन व्रत

चारों दोषियों को फांसी देने की मांग को लेकर 90 दिन से मौन व्रत पर थे

पुणे। शुक्रवार को निर्भया के चारों दोषियों को मुकेश (32), अक्षय (31), विनय (26) और पवन (25) को दिल्ली की तिहाड़ जेल में फांसी दे दी गई। इसके बाद समाजसेवी अन्ना हजारे ने अपना मौन व्रत तोड़ दिया। वे निर्भया को न्याय दिलाने की मांग को लेकर पिछले 90 दिनों से मौनव्रत में थे। चारों दोषियों को फांसी की खबर मिलते ही अन्ना हजारे ने शुक्रवार को संत यादव बाबा का दर्शन किया और जल पीकर अपना मौन व्रत तोड़ा।

(शेष पृष्ठ 5 पर)

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

संक्षिप्त खबर

एनएमएमटी का कोरोना फटका!, पांच लाख रुपए का हो रहा है नुकसान

नई मुंबई। कोरोना का अच्छा खासा फटका नई मुंबई मनपा की परिवहन सेवा को भी लगा है। मिली जानकारी के अनुसार एनएमएमटी बसों में यात्रियों की कमी के कारण बस की कमाई दिनों दिन कम होते जा रही है। एक दिन में पांच लाख रुपए की कमी आने की बात बताई जा रही है। नई मुंबई महानगरपालिका परिवहन सेवा के व्यवस्थापक शिरीष आरदवाड ने बताया कि इन दिनों कोरोना के भय से बसों में यात्रियों की संख्या कम हो गई है। यात्रियों की कमी को देखते हुए शहर के कुछ जगहों पर बसों की संख्या में भी कमी किए जाने की बात पर विचार किया जा रहा है। गत तीन दिनों से बसों की कमाई में पांच लाख रुपए की कमी आने की बात को ध्यान में रखते हुए जन-जीवन सामान्य होने तक बसों के परिचालन में कटौती करने की चर्चा की जा रही है। गौरतलब हो कि नई मुंबई महानगरपालिका की एनएमएमटी बस सेवा नई मुंबई, डोंबिवली, ठाणे, उरण तथा मुंबई के कई क्षेत्रों में नियमित रूप से चलती है। राज्य में कोरोना के प्रकोप से बचने के लिए राज्य सरकार ने नागरिकों को सावधानी बरतने की सलाह दी है साथ ही ३१ मार्च तक स्कूल, कॉलेज, सिनेमा हॉल, माल बंद रखने का आदेश दिया है।

शादी तोड़ा, लिव इन रिलेशन अपनाया, प्रेमी ने जिंदा जलाया

मुंब्रा। शादी तोड़कर प्रेमी के साथ लिव इन रिलेशन में रह रही एक युवती को गंभीर जली अवस्था में अस्पताल में भर्ती कराया गया है। युवती को जलाकर जान से मारने का प्रयास करने का आरोप उसके प्रेमी पर लगा है। डायघर पुलिस ने प्रेमी के विरुद्ध जानलेवा हमला करने का मामला दर्ज किया है। दिवा-खरडी रोड, सुदामा रेजीडेंसी के बगल स्थित एक चाल में रहनेवाली एक युवती अपने प्रेमी के साथ लिव इन रिलेशन में रहती थी। युवती को शक था कि उसके प्रेमी का किसी अन्य महिला के साथ अवैध संबंध है। इसी बात को लेकर दोनों के बीच अक्सर वाद-विवाद होता रहता था। १८ मार्च की रात दोनों के बीच का वाद-विवाद सुलझाने के लिए युवती की सहेली घर पर आई हुई थी पर वाद-विवाद सुलझने की बजाय और उलझ गया। सहेली की मौजूदगी में उसके प्रेमी नैं आज तुला ठार मरून विषय संपवायाचेह्न कहकर बोतल में रखा घासलेट उसके ऊपर उड़ेल दिया और माचिस की जलती तीली फेंक कर आग लगा दिया। सहेली की मदद से दूसरे लोगों ने युवती को किसी तरह बचाया और अस्पताल में भर्ती करा दिया। पुलिस के मुताबिक युवती के परिजनों ने उसकी शादी कहीं दूसरी जगह कर दी थी पर युवती ससुराल में न जाकर प्रेमी के साथ पिछले चार महीनों से लिव इन रिलेशन में रहती थी।

कोरोरा से लड़ाई के लिए नए कदम

मुंबई। कोरोना वायरस को जहां है, वहीं रोकने के लिए सरकार ने नए कदम उठाए हैं। अगले आदेश तक मंत्रालय में किसी भी तरह की बैठक नहीं ली जाएगी। दूसरी ओर, महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश और राजस्थान के प्रमुख शहरों के बीच चलने वाली बस सेवा 21 मार्च से 31 मार्च तक के लिए स्थगित कर दी गई है। दूसरी ओर, कोरोना से पीड़ित मरीजों की संख्या बढ़कर 48 हो गई है। कोरोना की सही तस्वीर रखने के लिए हर शाम 4 बजे अब मेडिकल बुलेटिन दिया जाएगा।गुरुवार को सामान्य प्रशासन विभाग ने आदेश जारी कर कहा है कि कोरोना को देखते हुए मंत्रालय में आम लोगों का प्रवेश पहले ही रोक दिया गया है, साथ ही कर्मचारियों की उपस्थिति में भी 50 फीसद की कटौती की गई है, इसलिए प्रशासकीय विभाग कोई बैठक आयोजित न करें। बहुत जरूरी होने पर ही बैठक आयोजित की जाए, लेकिन ध्यान रखा जाए कि बैठक में शामिल होने वाले अधिकारी एक-दूसरे से तय दूरी बनाए रखें।

२९४ संदिग्धों की हुई जांच!, १९८ विदेश यात्रा से आए नागरिकों का समावेश

ठाणे। ठाणे मनपा क्षेत्र में स्वास्थ्य विभाग ने विदेश से स्वदेश लौटे १९८ भारतीय नागरिकों और उनके संपर्क में आए ९६ लोगों सहित कुल २९४ कोरोना वायरस के संदिग्धों की जांच किया है। कहा गया है कि इनमें आठ विदेशी नागरिकों का भी समावेश है।

उल्लेखनीय है कि कोरोना वायरस के प्रसार को रोकने के लिए ठाणे मनपा का स्वास्थ्य विभाग बीते कई दिनों से विदेश से स्वदेश लौटे नागरिकों की युद्ध स्तर पर खोज अभियान शुरू किए हुए है। इस अभियान के तहत अब तक कुल स्वदेश लौटे १९८ नागरिकों और आठ विदेशियों की खोजबीन कर चुकी है। सभी का मेडिकल जांच किया जा चुका है। इसमें प्रष्ठांस से लौटे नागरिक को छोड़कर अन्य लोगों की जांच रिपोर्ट निगेटिव आई है। ये सभी व्यापार के सिलसिले में ठाणे शहर में आए हुए थे। मनपा के स्वास्थ्य विभाग के प्रमुख अधिकारी डॉ. अनिरुद्ध मालगांवकर ने कहा कि विदेश से लौटे लोगों की खोजबीन युद्धस्तर पर शुरू है। तलाशी के दौरान मिलनेवाले ऐसे नागरिकों की जांच

की जा रही है। बुधवार को ६९ लोगों की जांच की गई। इसके साथ ही २७२ लोगों को घर में ही चिकित्सकों की निगरानी में रखा गया है। इसी तरह २२ लोगों को कस्तूरबा अस्पताल में भेजा गया था, जिसमें से २० लोगों को जांच के बाद छुट्टी दे दी गई। इसी के साथ दो लोगों का अस्पताल में उपचार शुरू है।

साप्ताहिक बाजार बंद कोरोना वायरस को रोकने के लिए प्रतिबंधात्मक उपाय योजना के एक विकल्प के तहत ठाणे जिले में स्थित ग्रामीण क्षेत्रों के साप्ताहिक बाजारों को ३१ मार्च तक बंद करने का आदेश जिलाधिकारी राजेश नार्वेकर ने दिया है। कल्याण तहसील के पिंपरी, गोवेली, म्हारल, बेहेरे, राया-ओझर्ली, भिवंडी तहसील के चिंबीपाड़ा, कोन, खारबाव, पड़घा, पाच्छापुर, अनगांव, दाभाड, वज्रेश्वरी, अंबाडी, अस्नोली, मुरबाड तहसील के सरलगांव, धसई, टोकावडे, म्हसा, तहसील के आटगांव, किन्हवली, सापगांव, गोठेघर, पिवली, मोखावणे-कसारा, शेणवे, अघई, डोलखांब आदि स्थानों में लगनेवाले साप्ताहिक बाजारों को बंद करने का आदेश दिया गया है।

उपरोक्त स्थानों के अलावा अन्य स्थानों पर अनौपचारिक स्वरूप में लगनेवाले छोटे बाजारों और वहां होनेवाले भीड़भाड़ को टालने के लिए आवश्यक उपाय योजना करने का आदेश संबंधित अधिकारियों को जिलाधिकारी नार्वेकर ने दिया है। इस आदेश की अवहेलना करनेवाला व्यक्ति अथवा संस्था भारतीय दंड संहिता १८६० (४५) की धारा १८८ के तहत सजा का पात्र होगा।

12 साल के बच्चे का किया यौन उत्पीड़न, 27 वर्षीय आरोपी गिरफ्तार

मुंबई। मुंबई में 12 साल के बच्चे का यौन उत्पीड़न करने के आरोपी 27 वर्षीय एक शख्स को गिरफ्तार कर लिया गया है। आरोपी युवक अंधेरी की पारसी कॉलोनी का निवासी है, जिस पर घर में काम करने वाले के बच्चे के साथ गलत काम करने का आरोप है। मुंबई की मेघवाड़ी पुलिस ने पॉक्सो ऐक्ट के तहत आरोपी युवक को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है।

पड़ोसियों ने आरोप लगाया कि युवक पहले भी ऐसी हरकतें कर चुका है। उसके खिलाफ इलाके में रहने वाले बच्चों के उत्पीड़न की शिकायतें भी हैं। पुलिस के अनुसार यह घटना होली के दिन हुई, जब आरोपी को नाबालिग के साथ बिल्डिंग की तरफ जाते हुए देखा गया। स्थानीय लोगों ने उसे पहचान लिया और सोसाइटी ऑफिस से सीसीटीवी फुटेज निकलवा लिया।

सीसीटीवी में आरोपी को बच्चे के साथ जाते देखा गया। एक स्थानीय नागरिक ने बताया, 'नाबालिग बच्चा गरीब परिवेश से ताल्लुक रखता है। पूछताछ में पता चला कि वह कॉलोनी के पीछे झुग्गियों में रहकर घरेलू काम करने वाले का बच्चा है। हमने बच्चे के पैरंट्स की पहचान कर उन्हें ले जाकर पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने सहयोग करते हुए तुरंत मामला दर्ज कर लिया।'

कोरोनाः मस्जिदों में लपेटी गईं चटाइयां, लोगों से घर पर नमाज पढ़ने की अपील

मुंबई। कोरोना वायरस के चलते मुंबई में कई मस्जिदों ने एहतियाती तौर पर नमाज से पहले हौज में वुजू करने पर रोक लगा दी है। वसाई-विरार इलाके में नगर निगम के अधिकारियों ने लोगों से मस्जिदों में आने के बजाय घर पर ही नमाज अदा करने की अपील की है।एक मौलवी ने कहा कि शहर की कई मस्जिदों ने कालीन (चटाइयां) हटा दी हैं ताकि हर नमाज से पहले फर्श की अच्छी तरह सफाई की जा सके। कई मस्जिदों ने लोगों से हौज में वुजू करने के बजाय नलों से निकलने वाले पानी से वुजू करने की अपील की है। कुछ मौलवियों ने कहा कि नमाजी घर से ही वुजू करके मस्जिद आ सकते हैं। माहिम जामा मस्जिद के ट्रस्टी फरहाद खलील ने कहा, "लोग को सलाह दी गई है कि वे फर्ज नमाज अदा करने के लिये मस्जिद में आएं और सुन्नत तथा नफ्लि घर पर भी पढ़ सकते हैं।"

क्वारंटाइन सेंटर पर कबाहट!, लोगों ने किया जमकर विरोध

भाइंदर। कोरोना वायरस से लड़ने के लिए मीरा-भाइंदर महानगरपालिका ने गोल्डन नेस्ट स्थित स्पोर्ट्स कांप्लेक्स के सामने एमएमआरडीए की स्वतंत्र इमारत में १०० बेड कौ क्वारंटाइन सेलह्ल (पृथक करण कक्ष) शुरू किया है। सभी १०० बेड की व्यवस्था अलग-अलग कमरे में की गई है, जिसमें टेलीविजन, वाईफाई, किचन, डॉक्टर व नर्स की सुविधा उपलब्ध कराई गई है। यहां पर विदेशों से आनेवाले ६० वर्ष से अधिक के उम्र के कोरोना के संभावित मरीजों को रखा जाएगा, जिन्हें अस्थमा, हाई ब्लड प्रेशर, वैंष्ठसर जैसी बीमारी की शिकायत अथवा जिनमें कोरोना वायरस के लक्षण परिलक्षित होंगे। आवश्यकता पड़ने पर बेड की संख्या बढ़ाई जाएगी, ऐसी जानकारी मनपा आयुक्त चंद्रकांत डांगे ने दी।

आयुक्त डांगे ने लोगों को अफवाहों पर ध्यान नहीं देने तथा मनपा प्रशासन को सहयोग करने की गुजारिश की है। उन्होंने बताया कि कोरोना कोई जन्मजात बीमारी नहीं है। इसके वायरस एक मीटर से अधिक दूरी तक नहीं पैष्ठलते और इसकी आयु सिर्फ १० मिनट तक की होती है। लोगों में आइसोलेशन सेंटर और क्वारंटाइन सेंटर में भ्रम की स्थिति पर आयुक्त ने बताया कि आइसोलेशन सेंटर में कोरोना वायरस से पीड़ित ऐसे मरीजों को रखा जाता है, जिनमें कोरोना पॉजिटिव पाया जाता है, जबकि क्वारंटाइन सेंटर में कोरोना के संभावित मरीजों को रखा जाता है, जिनमें इसके लक्षण दिखाई देते हैं। अभी तक मीरा-भाइंदर में विदेशों से ११५ लोग आए हैं, जिनमें से २८ लोगों को १४ दिन तक निगरानी में रखने के बाद उन्हें घर भेज दिया गया है। शहर के ७ अस्पतालों में आइसोलेशन सेंटर की व्यवस्था की गई है, जहां ३६ बेड उपलब्ध हैं, ऐसी जानकारी आयुक्त डांगे ने दी है। मीरा-भाइंदर शहर के मध्य में स्थित एमएमआरडीए की इमारत में शुरू किए गए क्वारंटाइन सेंटर का कुछ स्थानीय लोगों ने विरोध जताया। उनका मत था कि शहर के बीचों बीच इस इमारत में सेंटर चालू करने से स्थानीय नागरिकों का स्वास्थ्य प्रभावित हो सकता है।

मालिक,मुद्रक,प्रकाशक-**दिलशाद एस खान** द्वारा एस आर प्रिंटिंग प्रेस,मोहन अर्जुन कंपाउंड, वैशाली नगर दहिसर (पूर्व),मुंबई-68 से मुद्रित व मुंबई हलचल,साईं मंगल को ऑ हॉ सो बी-2-301,इस्माइल बाग नियर मालाड शॉपिंग सेंटर,
एस वी रोड,मालाड (प) मुंबई से प्रकाशित RNI NO MAHHIN/2010/34146, फोन:**9619102478 /9769659975**
email: mumbaihalchal@gmail com संपादक: **दिलशाद एस खान,** समाचार पत्र में छपे किसी भी समाचार से संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है। किसी भी विवाद का निपटारा न्याय क्षेत्र मुंबई होगा।

पत्रकार पर हमला करके कैमरा छीनने वाले तीन गिरफ्तार

ए बी पी माझा के स्थानीय पत्रकार पर जानलेवा हमला

संवाददाता

भिवंडी। कोरोना वायरस के संदर्भ में समाचार संकलन के लिये खंडूपाड़ा क्षेत्र स्थित गये एबीपी माझा के स्थानीय पत्रकार अनिल वर्मा के ऊपर गुटखा माफिया के गुर्गों ने हमला करके उनका कैमरा छीनकर तोड़ दिया और उसे लेकर फरार हो गये थे। इस मामले में शांतिनगर पुलिस ने देर रात चाविंद्रा रोड से फरार हो रहे तीन लोगों को गिरफ्तार कर लिया है और उनके पास से कैमरा भी बरामद कर लिया है।

ज्ञात हो कि खंडूपाड़ा क्षेत्र में एक पान की दूकान के सामने पान एवं गुटखा खाकर सड़क पर थूका गया था, जिसकी जानकारी मिलने पर एबीपी माझा के पत्रकार अनिल वर्मा वहां गये थे और गुटखा खाकर सड़क पर थूक रहे एक व्यक्ति की वीडियो क्लिप बना रहे थे। पान की उसी दूकान के पास एक दूकान से गुटखा की विक्री की जाती है, गुटखा माफिया को शंका हुई कि उनकी दूकान का वीडियो क्लिप बनाया जा रहा है।

जिसके कारण गुटखा माफिया के गुर्गों ने अनिल वर्मा के ऊपर हमला कर दिया और उनका लगभग सवा लाख रुपए मूल्य का कैमरा आदि छीनकर तोड़ दिया और उसे लेकर फरार हो गये थे। इस मामले की जानकारी शांतिनगर पुलिस को मिलने पर पुलिस ने पान की दूकान के पास लगे सीसीटीवी फुटेज को देखने के बाद पत्रकार अनिल वर्मा की शिकायत पर अशरफ नामक एक व्यक्ति के विरुद्ध मामला दर्ज कर लिया था। लेकिन उक्त मामले को पुलिस उपायुक्त राजकुमार शिंदे द्वारा निर्देश दिये जाने के बाद पुलिस सक्रिय हुई। और शांतिनगर पुलिस स्टेशन की वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक श्रीमती ममता डिसूजा ने हमलावरों की धरपकड़ के लिये पुलिस की एक टीम लगा दी थी, देर रात पुलिस को मुखविर द्वारा पता चला कि तीनों हमलावर चाविंद्रा रोड से शहर छोड़कर फरार होने वाले हैं। मुखविर द्वारा सूचना मिलते ही पुलिस की टीम चाविंद्रा स्थित फाउंटेन होटल के पास जाल बिछाकर अशरफ अली मो.सादिक अंसारी (43) निजामपुरा, मो.वसीम मुमताज शेख (38) गैबीनगर एवं इरशास अहमद उर्फ दानिश (38) मिल्लतनगर को हिरासत में ले लिया और भादंवि 394,427 सहित क्रिमिनल अमेंडमेंट एक्ट 7 (1) अ के तहत देर रात इन तीनों के विरुद्ध मामला दर्ज कर गिरफ्तार कर लिया है।

पुलिस ने उनके पास से छीना गया कैमरा भी बरामद कर लिया है। पुलिस ने आज उक्त तीनों को न्यायालय में पेश किया जिन्हें न्यायालय ने एक दिन के लिये पुलिस हिरासत में भेज दिया है। वहीं महाराष्ट्र राज्य मराठी पत्रकार संघ सहित भिवंडी के सभी पत्रकार संगठनों ने इस घटना की कड़ी निंदा करते हुये आरोपियों के विरुद्ध फौजदारी एवं पत्रकार सुरक्षा अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर कार्रवाई करने की मांग पुलिस उपायुक्त राजकुमार शिंदे से की है।

कोरोना संक्रमित महिला ने सत्संग में 1500 लोगों के साथ लिया था हिस्सा, जांच शुरू

मुंबई। दुनियाभर में हजारों लोगों को शिकार बना चुके कोरोना वायरस का संकट गहराता ही जा रहा है। देश में इस वायरस का सबसे अधिक असर महाराष्ट्र में देखने को मिल रहा है, जहां मरीजों की संख्या 49 तक पहुंच गई है। मुंबई में कोरोना पॉजिटिव पाई गई महिला ने सत्संग में हिस्सा लिया था, जहां करीब डेढ़ हजार श्रद्धालु मौजूद थे। इस जानकारी से प्रशासन के हाथ-पांव फूल गए हैं।

मुंबई के उल्हासनगर में 49 साल की एक महिला को कोरोना वायरस से संक्रमित पाया गया। महिला ने जानकारी देते हुए बताया कि उसने एक आश्रम में सत्संग में हिस्सा लिया था, जहां करीब 1500 श्रद्धालुओं ने हिस्सा लिया था। उल्हासनगर नगर निगम में इसकी जानकारी मिलने के बाद से घबराहट फैल गई है। महिला का अभी मुंबई के कस्तूरबा हॉस्पिटल में इलाज चल रहा है। महिला के संपर्क में कौन-कौन आया, इसकी जांच के लिए एक स्पेशल टीम का गठन कर दिया गया है। अधिकारियों ने जानकारी देते हुए बताया कि महिला के परिवार के सदस्यों को क्वारंटाइन की सुविधा (14 दिनों के लिए अलग रखना) में रखा गया है। इसके साथ ही महिला के साथ दुबई की यात्रा करने वाले पांच अन्य लोगों का इलाज मुंबई के कस्तूरबा हॉस्पिटल में चल रहा है।

अधिकारियों का कहना है कि महिला अपने परिवार के साथ 4 मार्च को दुबई की ट्रिप से वापस लौटी। 8 मार्च को आश्रम में सत्संग में शामिल हुईं। इस दौरान सत्संग में करीब 1500 लोगों ने हिस्सा लिया था। तबीयत बिगड़ने पर महिला हॉस्पिटल में गईं, जहां से उन्हें कस्तूरबा हॉस्पिटल रिफर कर दिया गया। स्वास्थ्य विभाग से महिला के बारे में जानकारी मिलने के बाद उल्हासनगर नगर निगम ने उनके घर की सफाई की। महिला पिछले 15 दिनों में किसके-किसके संपर्क में आई, इसकी जांच के लिए एक अलग टीम का गठन कर दिया गया है।

कोरोना पर सीएम उद्धव ठाकरे की अपील का हो रहा असर

मुंबई। मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे के सुझावों को आम जनता अमल में लाने लगी है। भीड़भाड़ क्षेत्रों में पहले की तुलना में कम भीड़ दिखाई दी। कई क्षेत्रों में दुकानें बंद कर दी गईं और जहां पर दुकानदारों ने अपनी दुकानें बंद नहीं रखीं, वहां पुलिस ने दुकानें बंद करा दीं। मुंबई के पर्यटन स्थलों से पर्यटक लगभग नदारद रहे। गुरुवार को लगभग आधी मुंबई बंद हो गई।

गौरतलब है कि बुधवार की देर रात मुख्यमंत्री ठाकरे ने आम मुंबईकरों से अपील की थी कि जरूरत होने पर ही घर से बाहर निकलें। दुकानदार अपनी दुकानें बंद रखें या फिर दुकान खोलने के समय में ऐसा बदलाव करें, जिससे

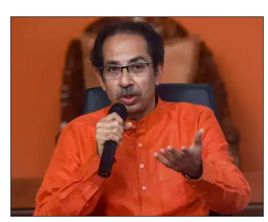

भीड़ नहीं हो। गुरुवार को सोशल मीडिया पर महाराष्ट्र के लोगों को टेलिविजन पर संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने खुशी जाहिर की कि भीड़ कम हुई है, लेकिन और कम करने की आवश्यकता है। मंत्रालय सहित ज्यादातर सरकारी कार्यालयों में सन्नाटा छाया रहा। निजी कार्यालयों में भी उपस्थिति बेहद कम रही। मुंबई महानगर के कई क्षेत्रों की कपड़े, गहने आदि की दुकानें बंद रखी गईं। किराना और मेडिकल की दुकानें ही खुली दिखाई दीं। दादर का फूल बाजार सूना पड़ गया है। दादर (पूर्व) में कपड़ा बाजार ठंडा रहा। कुर्ला में कई दुकानदारों ने दुकानें बंद रखीं, लेकिन जिन्होंने दुकानें खोलीं, पुलिस ने आकर बंद करा दीं। इसी तरह कुर्ला, घाटकोपर, चेंबूर, मुलुंड, सांताक्रुज, अंधेरी, गोरेगांव, मालाड, कांदिवली जैसे अन्य कई क्षेत्रों में बड़े पैमाने पर दुकानें बंद रखी गईं। कुछ क्षेत्रों में दुकानें खुली देखी गईं, लेकिन ग्राहक नहीं दिखाई दिए। दुकानदारों का कहना है कि इसके पहले कभी ऐसा नहीं हुआ कि कई दिनों तक बाजार बंद रहे। अगले कई दिनों तक दुकानों पर ताले दिखाई देंगे।

राज्य में कोरोना संक्रमित लोगों की संख्या 52 हुई

मुंबई की रफ्तार पर लगा ब्रेक, पुणे में भी सभी दुकानें, होटल्स और रेस्टोरेंट बंद

संवाददाता

पुणे/मुंबई। महाराष्ट्र के स्वास्थ्य मंत्री राजेश टोपे ने शुक्रवार को बताया कि राज्य में कोरोना पीड़ितों की संख्या 52 तक पहुंच गई है। गुरुवार शाम से शुक्रवार सुबह तक यहां पांच नए मामले सामने आये हैं। उन्होंने यह भी कहा कि पांच कोरोना पीड़ित डिस्चार्ज होने की स्टेज पर हैं। अभी इनके कुछ और टेस्ट बाकी हैं। उन्होंने कहा कि मुंबई, ठाणे, पुणे, नागपुर जैसे बड़े शहरों में आने वाले दिनों में कठोर नियम लागू करने की जरुरत है। सबसे ज्यादा मामले पुणे और पिंपरी चिंचवाड़ में सामने आये हैं। जिसे देखते हुए शहर के 82 व्यापारिक संगठनों ने आज(शुक्रवार) शहर की सभी दुकानों, व्यापारिक प्रतिष्ठानों, होटल्स और रेस्टोरेंट को बंद करने का निर्णय लिया है। वहीं, मुंबई में आज से सभी एसी लोकल ट्रेन बंद हैं। सामान्य लोकल ट्रेन में भी भीड़ 30 प्रतिशत कम हुई है। मुंबई के अस्पतालों की ओपीडी में जहां भीड़ कम हो रही है, वहीं कई अस्पताल गैर जरूरी सर्जरी की तारीख आगे बढ़ा रहे हैं। बीएमसी ने प्राइवेट कंपनियों को केवल 50 प्रतिशत स्टाफ ही ऑफिस में रखने का निर्देश दिया है। कोरोना के प्रसार को देखते हुए दादर व्यापारी

संघ ने आज सभी दुकानों को बंद करने का निर्णय लिया है। यह बंदी 25 मार्च तक जारी रहेगी। इसके अलावा ठाणे में भी सभी दुकानों और नासिक में सभी सरार्फा दुकानों को बंद रखने का निर्णय विभिन्न व्यापारिक संगठनों की ओर से लिया गया है। इससे पहले गुरुवार को पुणे के जिलाधिकारी नवल किशोर राम ने शहर की सभी पान और रेस्टोरेंट अगले आदेश तक बंद करने का आदेश दिया है। शहर में इस समय 3000 से ज्यादा छोटे और बड़े रेस्तरां हैं। इसके अलावा शहर के सभी वीडियो पार्लर और लाटरी सेंटर भी बंद रहेंगे। हालांकि, जिला प्रशासन ने शहर में शराब और बियर की दुकानों को बंद करने का कोई आदेश नहीं दिया है। इसपर आगे निर्णय लिया जाएगा। महाराष्ट्र में गुरुवार को कोरोनो वायरस संक्रमण के 3 नए मामले सामने आए। इससे संक्रमित लोगों की संख्या बढ़कर 49 हो गई। 24 घंटे चलने वाली जिस मुंबई को आतंकी घटनाएं या तेज बारिश भी नहीं रोक सकी, उसकी रफ्तार पर कोरोना ने ब्रेक लगा दिया है। कोरोना के डर और सरकार की ओर से उठाए गए ऐहतियाती कदमों का व्यापक असर देखने को मिला है। सड़कों से ट्रैफिक गायब है। अधिकांश दुकानों के शटर डाउन हैं। स्कूल-कॉलेज बंद हैं। फिल्मों की शूटिंग रुक चुकी है। लोग जरूरी काम-काज के लिए ही बाहर निकल रहे हैं। डब्बेवावालों ने भी 31 मार्च तक काम बंद कर दिया है।

एनडीए में सभी कार्यक्रम रद्द: कोरोना वायरस के प्रसार के मद्देनजर राष्ट्रीय रक्षा अकादमी (एनडीए) ने बड़े पैमाने पर लोगों के इकट्ठा होने, अतिथि व्याख्यान, अभियानों और अन्य सामूहिक गतिविधियों को स्थगित कर दिया है।

करोना के खिलाफ युद्ध है: उद्धव - महाराष्ट्र की जनता को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने कहा कि यह हावायरस के विरुद्ध युद्धह्न है, हम डर कर या घबरा कर नहीं, बल्कि संकल्पबद्ध होकर ही इससे निपट सकते हैं। लोग घबराएं नहीं, बस अफवाहों से बचें। उन्होंने जोर देकर कहा कि अनावश्यक रूप से घर से बाहर नहीं निकलें। सार्वजनिक वाहनों में भीड़ कम हुई है, लेकिन यह पूरी तरह खत्म होनी चाहिए। हम सार्वजनिक परिवहन को बंद करने का बड़ा कदम नहीं उठाना चाहते, लेकिन गैर जरूरी यात्राएं बंद होनी चाहिए।

(पृष्ठ 1 का शेष)

7 साल, 3 महीने और 4 दिन बाद इंसाफ मिला

सभी दुष्कर्मियों को निचली अदालत ने 9 महीने में ही फांसी की सजा सुना दी थी। दिल्ली हाईकोर्ट को फांसी की सुनाई जा चुकी सजा पर मुहर लगाने में 6 महीने लगे। इसके 2 साल 2 महीने बाद मई 2017 में सुप्रीम कोर्ट ने भी कह दिया कि फांसी ही होगी। फिर 2 साल 10 महीने और गुजर गए। 4 बार डेथ वारंट जारी हुए। आखिरी बार शुक्रवार को फांसी का दिन मुकर्रर कर दिया गया। इससे पहले दुष्कर्मियों ने 15 घंटे में 6 अर्जियां लगाईं। शुक्रवार तड़के सवा तीन बजे तक हाईकोर्ट से लेकर सर्वोच्च अदालत तक सुनवाई होती रही, लेकिन सभी अर्जी खारिज हुईं। सुबह 5 बजे तिहाड़ जेल में फांसी की आखिरी तैयारियां शुरू कर दी गईं। दुष्कर्मियों को फांसी के तख्ते तक ले जाया गया। चारों के हाथ-पैर बांधे गए। दोषी विनय रोने लगा। फिर सभी दोषियों के चेहरे पर नकाब डाला गया और फंदे कस दिए गए। ठीक साढ़े पांच बजे जल्लाद पवन ने लीवर खींचा...और मानो देश को इंसाफ मिल गया। महज 7 मिनट बाद जेल अधिकारी ने चारों की मौत की पुष्टि कर दी। 30 मिनट बाद डॉक्टरों ने सभी को मृत घोषित कर दिया। निर्भया केस से 36 साल 5 महीने पहले यानी 25 अक्टूबर 1983 को पुणे की येरवड़ा सेंट्रल जेल में राजेंद्र जक्काल, दिलीप सुतार, शांताराम जगताप और मुनव्वर शाह को एकसाथ फांसी पर लटकाया गया था। ये सभी जनवरी 1976 से मार्च 1977 के बीच 10 सीरियल किलिंग के दोषी थे। 14 अगस्त 2004 को धनंजय चटर्जी को अलीपुर सेंट्रल जेल में फांसी दी गई थी। वह कोलकाता में 14 साल की छात्रा से दुष्कर्म कर उसकी हत्या करने का दोषी था। इसके बाद 3 आतंकियों को मौत की सजा दी गई। 9 फरवरी 2013 को अफजल गुरु, 21 नवंबर 2012 को अजमल कसाब और 30 जुलाई 2015 को याकूब मेनन को फांसी पर लटकाया गया था। निर्भया मामले के चारों दोषियों को शुक्रवार सुबह 5:30 बजे फांसी दी गई। फांसी घर में किसी को बोलने की अनुमति नहीं होती इसलिए केवल इशारों से काम होता रहा। दोषियों को फांसी देने वाले पवन जल्लाद ने भास्कर से विशेष बातचीत में कहा, मैंने अपना धर्म निभाया है। यह हमारा पुश्तैनी काम है। मरने से पहले उन दरिंदों को पश्चाताप होना चाहिए था, लेकिन नहीं था। जल्लाद ने बताया, मैं 17 मार्च को तिहाड़ आया और फांसी के फंदों को दही और मक्खन पिलाकर मुलायम करके डमी ट्रायल करता रहा। गुरुवार सुबह चार बजे फंदों को दुरुस्त किया। दोषियों के हाथ बांधकर फंदे तक लाया गया। पहले अक्षय और मुकेश को, फिर पवन और विनय को तख्ते पर ले जाया गया। हर गुनाहगार के साथ पांच बंदीरक्षक थे, जिन्होंने इन्हें तख्ते पर खड़ा किया।

अन्ना हजारे ने तोड़ा मौन व्रत

अन्ना 20 दिसंबर से मौन व्रत में थे। सुप्रीम कोर्ट द्वारा निर्भया के दोषियों की फांसी की सजा बरकरार रखने के बाद अन्ना मौन व्रत पर चले गए थे कि जब तक दोषियों को फांसी नहीं दी जाती तब तक मौन व्रत रखेंगे। अन्ना ने केंद्र और राज्य सरकार से मांग की थी कि अपराधियों के मन में डर बैठे, इसके लिए महिला सुरक्षा से जुड़े और सख्त कानून बनाया जाए। इसके पहले अन्ना ने 12 बार मौन व्रत आंदोलन किया है। अन्ना के सहयोगी संजय पठाडे ने बताया कि 1990 में अन्ना ने 44 दिन का मौन व्रत किया था। लेकिन इस बार अन्ना 90 दिन तक मौन व्रत रखे। इस दौरान वह कागज पर अपनी बात लिखकर बात करते थे।

गृहमंत्री अनिल देशमुख ने कहा...

सरकार ने कोविड-19 से संक्रमित मरीजों को तीन कैटेगरी में बांटा है। पहली कैटेगरी 'ए' में वे लोग हैं, जिनमें यह लक्षण पाया गया है और उन्हें एडमिट कराया गया। वहीं बी कैटेगरी में वे लोग हैं, जिनमें इंफेक्शन के लक्षण हैं और साथ ही उच्च रक्तचाप की शिकायत पाई गई है। तीसरी कैटेगरी 'सी' जिसमें कोई लक्षण नहीं दिखे और उन्हें घर भेज दिया गया है। इन सभी के हाथ पर 14 दिन के लिए होम क्वारंटाइन की मुहर लगाई गई है। होम क्वारंटाइन के आदेश के बावजूद सिंगापुर से लौटे 6 यात्रियों को बोरीवली स्टेशन पर एक एक्सप्रेस ट्रेन से उतारा गया ये अपने घर ट्रेन से जा रहे थे। इससे पहले बुधवार को मुंबई से सूरत जा रहे चार लोग को गरीब रथ ट्रेन से उतारा गया था। ऐसे ही नियम तोड़ने वालों पर कार्रवाई के लिए सरकार ने यह कदम उठाया है। होम क्वारंटाइन का मतलब घर पर अपने आप को दूसरे लोगों से अलग कर लेना है।

कोरोना के बीच पड़ी महंगाई की मार

आपसे जुड़ी इन 7 चीजों पर लगा झटका

देश में कोरोना वायरस के बढ़ते मामलों से आम जनता परेशान है। इस बीच, आम लोगों पर महंगाई की भी मार पड़ी है। दरअसल, बीते एक हफ्ते में आपकी जरूरत की कई बड़ी चीजें महंगी हो गई हैं। कोरोना वायरस की मार के बीच हवाई टिकट महंगे हो गए हैं। दरअसल, सरकार ने अगले कुछ दिनों के लिए सभी इंटरनेशनल फ्लाइट्स को रद्द करने का ऐलान किया है। इसके बाद डोमेस्टिक फ्लाइट्स के किराए में बेतहाशा बढ़ोतरी हुई है। अगली तिमाही में आपको पोस्ट ऑफिस सेविंग अकाउंट, पीपीएफ, सुकन्या समृद्धि योजना और सीनियर सिटिजन सेविंग्स स्कीम में कम ब्याज मिल सकता है। अगर ऐसा होता है तो इन छोटी बचत योजनाओं पर आपको पहले के मुकाबले कम ब्याज मिलेगा। आमतौर पर लोग इन योजनाओं में बचत और ब्याज आकर्षण को ध्यान में रखकर निवेश पर जोर देते हैं। इस बीच, देश की राजधानी दिल्ली में अमूल दूध की कीमतों में भी बदलाव हुआ है। पहले अमूल का टोंड मिल्क 44 रुपये प्रति लीटर के भाव से मिलता था, जो अब बढ़कर 45 रुपये प्रति लीटर हो गया है। हालांकि दूध के भाव में कीमतों को लेकर अमूल की ओर से कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है। रेलवे ने चुनिंदा मामलों को छोड़कर किराये में मिलने वाली सभी छूट हटा दी गई है। रेलवे का यह फैसला 20 मार्च से बुकिंग होने वाली टिकटों पर लागू है। खासकर सीनियर सिटीजन को मिलने वाली छूट भी हटाई गई है। लेकिन मरीजों, छात्रों और दिव्यांगों को किराये में मिलने वाली छूट जारी रहेगी। आने वाले दिनों में मोबाइल फोन महंगे होंगे, क्योंकि इसे 18 फीसदी के टैक्स स्लैब में शामिल किया गया है। इससे पहले ये प्रोडक्ट 12 फीसदी के स्लैब में था। ये नई दरें 1 अप्रैल 2020 से प्रभावी होंगी। आने वाले दिनों में पेट्रोल और डीजल महंगे हो सकते हैं क्योंकि सरकार ने पेट्रोल, डीजल पर उत्पाद शुल्क में प्रति लीटर तीन रुपये की वृद्धि कर दी है। बता दें कि अभी ग्लोबली कच्चे तेल की कीमत सस्ती हुई है। ऐसे में उम्मीद की जा रही थी कि पेट्रोल-डीजल पर आम लोगों को और रियायत मिलेगी। रेलवे ने 6 डिविजनों के स्टेशनों के लिए प्लेटफॉर्म टिकट के दाम 10 रुपये से बढ़ाकर 50 रुपये कर दिया है ताकि भीड़ कम हो। रेलवे अधिकारियों के मुताबिक मुंबई, वड़ोदरा, अहमदाबाद, रतलाम,राजकोट, भावनगर डिविजन के रेलवे स्टेशनों पर अब 10 के बजाय 50 रुपये में प्लेटफॉर्म टिकट मिलेंगे ताकि स्टेशनों पर अनावश्यक भीड़ न एकत्रित हो। यह नियम 16 मार्च से लागू है।

कोरोना के बावजूद टैक्स वसूल सकेगी सरकार, हाईकोर्ट के आदेश पर सुप्रीम कोर्ट का स्टे

सुप्रीम कोर्ट ने कोरोना वायरस के कारण अधिकारियों को छह अप्रैल तक जीएसटी, कई तरह के अन्य टैक्स तथा बैंक का बकाया न वसूलने के लिए कहने वाले केरल और इलाहाबाद हाईकोर्ट के आदेश पर रोक लगा दी है। यानी अब बैंक और टैक्स संस्थाएं अपना बकाया वसूल सकती हैं। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि मौजूदा हालात को लेकर सरकार सचेत है और किसी भी तरह की मुश्किल को दूर करने के लिए सरकार कदम उठा सकती है। गौरतलब है कि केरल और इलाहाबाद हाईकोर्ट ने बैंकों, वित्तीय संस्थाओं, आयकर विभाग और जीएसटी अधिकारियों को यह आदेश दिया था कि कोरोना के प्रकोप की वजह से वे बकाया वसूली की प्रक्रिया को 6 अप्रैल तक रोक दें। सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस एएम खानविलकर की अगुवाई वाली खंडपीठ ने इस बारे में हाईकोर्ट में लंबित सभी सुनवाइयों पर रोक लगा दी। सुप्रीम कोर्ट ने इस बारे में भारत सरकार का बयान भी दर्ज किया कि केंद्र लोगों के सामने आ रही मुश्किल से वाकिफ है और लोगों को किसी तरह की कठिनाई में डाले बिना कोई उपयुक्त रास्ता निकालेगी।

अमेरिका ने भारत की कोशिशों को सराहा

अमेरिकी रक्षा मंत्री मार्क एस्पर ने भारत के रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह से फोन पर बात की है। उन्होंने सार्क देशों में कोरोनावायरस रोकने की भारत की पहल को सराहा है। वॉशिंगटन स्थित भारतीय दूतावास ने वहां रहने वाले भारतीयों के लिए एडवायजरी जारी की है और उन्हें घरों में ही रहकर जरूरी नियमों का पालन करने को कहा है।

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म से फर्जी सूचनाएं और भ्रामक तथ्यों को हटाएं

इलेक्ट्रॉनिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने सोशल मीडिया को लेकर एडवायजरी जारी की है। इसके मुताबिक, सभी कंपनियों को तत्काल प्रभाव से अपने सोशल मीडिया प्लेटफार्म से सभी तरह की फर्जी सूचनाएं और भ्रामक तथ्यों को हटाने का आदेश दिया गया है। यूजर्स को भी सतर्क रहने के लिए कहा गया है। अगर कोई यूजर फेक न्यूज या फेक तथ्यों को शेयर या पोस्ट करते हुए पकड़ा गया तो उसके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी। मंत्रालय ने लोगों से अपील की है कि वह कोरोनावायरस को लेकर लोगों में जागरूकता लाने में सरकार की मदद करें। अगर लगता है कि कोई भ्रामक सूचनाएं फैला रहा है तो उसे सही जानकारी दें और ऐसी भ्रामक सूचना को आगे फैलने से रोकें।

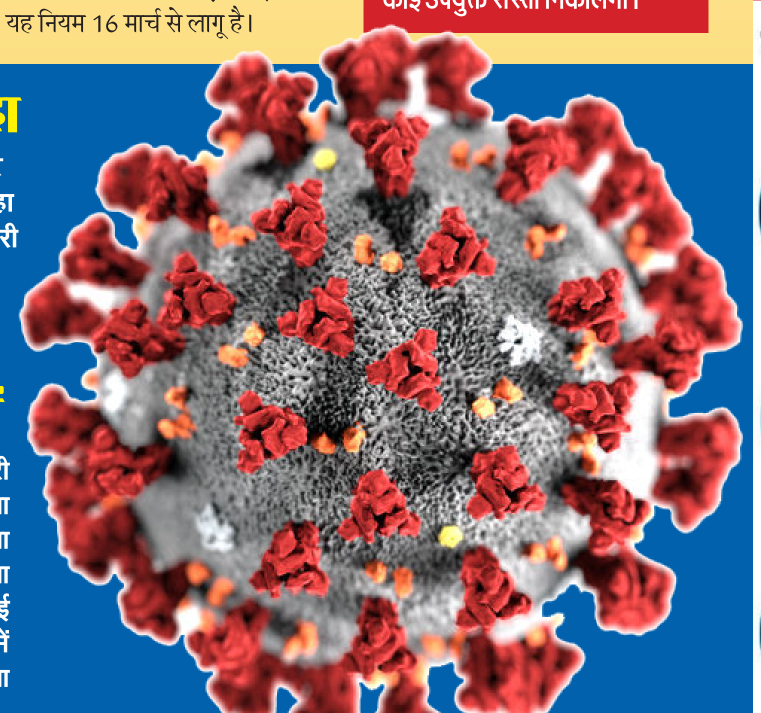

मुंबई समेत 4 शहरों में लॉकडाउन, घबराएं नहीं, यह सब चालू रहेगा

भारत में महामारी का रूप लेते जा रहे कोरोना वायरस के सबसे अधिक मामले महाराष्ट्र से सामने आए हैं। शुक्रवार को 3 नए मामले सामने आने के साथ ही अब महाराष्ट्र में कुल 52 केस हो गए हैं। कोरोना वायरस के खतरे के मद्देनजर महाराष्ट्र सरकार ने मुंबई समेत 4 शहरों में लॉकडाउन का फैसला किया है।

राशन दुकान खुली रहेंगी?

हां. जरूरत के सामान के लिए राशन की दुकानें खुली रहेंगी। दूध भी उपलब्ध रहेंगे।

मेडिकल शॉप खुली रहेंगी?

हां. मेडिकल सेवाएं मिलती रहेंगी। अस्पताल भी खुले रहेंगे।

लोकल चलेगी?

मुंबई लोकल भी बंद नहीं की जाएगी।

क्या मार्केट खुले रहेंगे?

मुख्य रूप से लोगों को इकट्ठा होने से रोकने के लिए यह फैसला किया गया है कि मार्केट को बंद रखा जाएगा।

पुलिस स्टेशन बंद हो जाएंगे?

नहीं। सभी पुलिस स्टेशन खुले रहेंगे।

स्कूल-परीक्षाओं का क्या?

महाराष्ट्र की शिक्षा मंत्री ने जानकारी देते हुए बताया कि कक्षा 1 से 8 तक की परीक्षाएं रद्द कर दी गई हैं और बिना परीक्षा के ही छात्रों को अगली क्लास में प्रमोट किया जाएगा। इसके साथ ही उन्होंने कहा है कि 9वीं से 11 वीं तक की परीक्षाएँ 15 अप्रैल के बाद करवाई जाएंगी।

सरकारी दफ्तर खुलेंगे या बंद रहेंगे?

महाराष्ट्र सरकार ने आदेश जारी कर बताया कि सरकारी कार्यालयों में 25 प्रतिशत उपस्थिति रहेगी।

कब तक रहेगा बंद?

31 मार्च तक बंद रहेंगे 4 शहर। कोरोना वायरस के खतरे को देखते हुए मुंबई, पुणे, पिंपरी चिंचवाड़, नागपुर में बहुत जरूरी सेवाएं ही चालू रहेंगी।

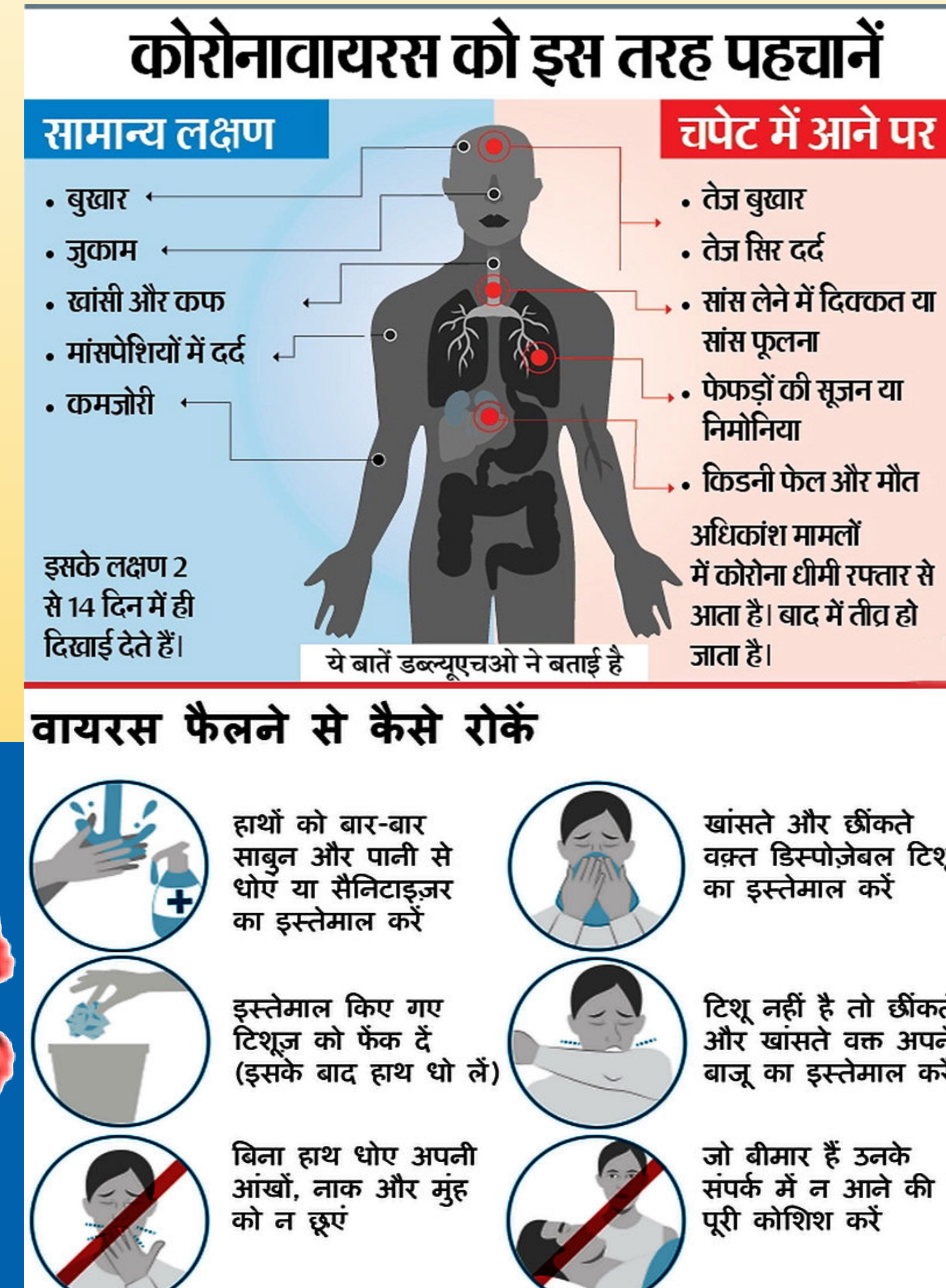

कोरोना का कहर रेलवे पर, मार्च में 40% यात्री कम हुए, 200 ट्रेन रद्द

कोरोना वायरस की मार से भारतीय रेलवे को भी भारी नुकसान सहना पड़ रहा है। 200 ट्रेन या तो रद्द कर दी गई या यात्रियों की आवाजाही सीमित रखने के लिए रोक दी गई हैं। सूत्रों ने बताया कि मार्च महीने में ही रेलवे को कम से कम 450 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ है। ये नुकसान हर दिन बढ़ रहा है। मार्च महीने में रिकॉर्ड संख्या में टिकट कैंसल हो रहे हैं। ये आंकड़ा भी लगातार बढ़ रहा है। 1 मार्च से 12 मार्च तक उत्तर रेलवे जोन में ही 12.29 लाख टिकट कैंसल हुए। 11 मार्च को कोरोना वायरस के केस बढ़ने के साथ ही टिकट कैंसल होने की दर 31-32% तक पहुंच गई। इससे पहले ये दर सामान्य रीशेड्यूलिंग के तहत इसी महीने में 17% थी। सूत्रों ने बताया कि भारतीय रेलवे को यात्रियों का कुल नुकसान 40% से अधिक पहुंच गया है। उत्तर रेलवे ने इसी जोन में 85 करोड़ रुपये के टिकट रिफंड किए।

संसदीय पैनल को रेलवे बोर्ड का प्रेजेंटेशन: भारतीय रेलवे ने वरिष्ठ नागरिकों को अनारक्षित और आरक्षित वर्गों में टिकटों की बुकिंग पर दी जाने वाली छूट को 20 मार्च रात 12 बजे से वापस ले लिया। ये आदेश अगली एडवाइजरी तक जारी रहेगा। ये इसलिए किया गया है जिससे कि वरिष्ठ नागरिकों को गैर जरूरी यात्राओं से रोका जा सके। कोरोना वायरस के रेलवे पर असर को लेकर रेलवे बोर्ड ने संसदीय पैनल को प्रेजेंटेशन दिया है। इसमें जानकारी दी गई है कि रेलवे को कोरोना वायरस खतरे के सामने आने के बाद अब तक 63% कैंसलेशन हो चुके हैं।

प्लेटफॉर्म टिकट के दाम 50 रुपये: बता दें कि बीते दिनों रेलवे ने भीड़ कम करने के लिए 6 डिविजनों के स्टेशनों पर प्लेटफॉर्म टिकट के दाम 10 रुपये से बढ़ाकर 50 रुपये कर दिया है। रेलवे अधिकारियों के मुताबिक मुंबई, वड़ोदरा, अहमदाबाद, रतलाम,राजकोट, भावनगर डिविजन के रेलवे स्टेशनों पर अब 10 के बजाय 50 रुपये में प्लेटफॉर्म टिकट मिलेंगे। यह नियम 16 मार्च से लागू है।

महाराष्ट्र सरकार की 20/3/20 की मुख्य घोषणाएं

1. सभी प्राइवेट ऑफिस बंद रहेंगे।
2. जीवनावश्यक वस्तुओं के अलावा समस्त दुकाने बंद रहेगी।
3. सरकारी कार्यालयों में 25% उपस्थिति रहेगी।
4. लोकल ट्रेन व बस शुरू रहेंगी।
5. टैक्सी, ऑटो, प्राइवेट बस शुक्रवार रात्रि 12.00 बजे से बंद
6. आठवीं तक की सभी परिक्षाएं रद्द, सभी छात्र अगली कक्षा में प्रमोट किए जाएंगे।
7. नौवीं व उपर की कक्षा की परिक्षाएं 15 अप्रैल के बाद होगी।

गाजियाबाद में पिता के बाद बेटे ने भी दी कोरोना को मात, इलाज के बाद हुए ठीक

देश में महामारी कोरोना वायरस के मामलों में तेजी से इजाफा हो रहा है। अब तक कोरोना वायरस के 209 केस सामने आ चुके हैं। वहीं, 4 लोगों की मौत हो चुकी है। हालांकि, राहत की बात ये है कि कुछ मरीज इलाज के बाद ठीक होकर अपने घर भी लौट रहे हैं। शुक्रवार को उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद का एक और मरीज इलाज के बाद ठीक हो गया। बता दें कि गाजियाबाद के इस शख्स का टेस्ट पॉजिटिव पाया गया था। गाजियबाद का ये दूसरा मामला है जब मरीज ठीक होकर घर लौटा है। तीन दिन पहले ही इनके पिता स्वस्थ होकर घर पहुंच थे। देश में कोरोना वायरस के अब तक 209 केस सामने आए हैं। जबकि चार लोगों की मौत हो चुकी है। शुक्रवार को लखनऊ से चार, महाराष्ट्र से तीन, गुजरात से तीन, पंजाब से तीन मामले सामने आए हैं। शुक्रवार को लखनऊ में चार नए मरीज मिले।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

वह जीवट वाली बच्ची थी, जीना चाहती थी निर्भया, दरिंदों को सजा दिलाना चाहती थी: डॉ. एमसी मिश्रा

नई दिल्ली। वह बहुत ही जीवट वाली बच्ची थी। इतने दर्द के बाद भी वह जीना चाहती थी। अपने आंखों के सामने इन दरिंदों को सजा दिलाना चाहती थी। जीने के प्रति उसकी इच्छाशक्ति जबरदस्त थी। वह अपनी पीड़ा के बाद भी मुस्कुरा कर जवाब देती थी, मैं उस बच्ची के जज्बे को सलाम करता हूं। यह कहना है कि निर्भया का इलाज करने वाले एम्स के पूर्व डायरेक्टर डॉक्टर एमसी मिश्रा का। उन्होंने कहा कि अगर कहीं आत्मा है तो आज उस बच्ची को जरूर सुकून मिल रहा होगा।

साल 2012 में जब निर्भया रेप की यह घटना हुई थी, उस समय डॉक्टर मिश्रा एम्स ट्रॉमा सेंटर के प्रमुख हुआ करते थे। निर्भया का इलाज सफदरजंग अस्पताल में चल रहा था, लेकिन ट्रॉमा केयर के एक्सपर्ट होने के नाते डॉक्टर मिश्रा को निर्भया के इलाज में स्पेशल तैनाती की गई थी। निर्भया के दोषियों को फांसी दिए जाने के

बाद उन्होंने एनबीटी से खास बात करते हुए कहा कि मैं वह दिन भूल नहीं सकता हूं। मेरे सामने एम्स में रोज एक्सिडेंट और तरह-तरह की घटना आते रहती थी, लेकिन जिस बर्बरता से उस बच्ची के साथ जुल्म हुआ था, मैंने पूरे करियर में नहीं देखा। बच्ची की आंत निकाल दी थी उन दरिंदों ने, यह देखकर डॉक्टरों की भी रूह कांप रही थी।

डॉक्टर मिश्रा ने कहा कि घटना के बाद तुरंत सर्जरी की गई। सर्जरी के दौरान उसकी खराब हो गई आंत के बाकी हिस्से को निकाला गया। ऑपरेशन के बाद वह आईसीयू में थी। सर्जरी के बाद अगले 2 दिन वह ठीक थी। लेकिन धीरे-धीरे इंफेक्शन बढ़ने लगा। उसे प्यास लग रही थी, लेकिन पानी देना सही नहीं था। सिर्फ सूखे गले को गीला करने के लिए चम्मच से एक या दो चम्मच ही पानी देने की इजाजत दी गई थी, ऑरली उसे कुछ भी देना संभव नहीं था, क्योंकि उसके पास आंत बचा ही नहीं था। बतौर डॉक्टर हमारे सामने उसे इंफेक्शन से बचाना था। लेकिन यह धीरे-धीरे उसका इंफेक्शन बढ़ता गया। उसे सेप्टिसीमिया हो गया। लगातार ऐंटिबायोटिक की डोज बढ़ाई गई, लेकिन धीरे-धीरे असर कम होता जा रहा था। चूंकि, घटना के दौरान रॉड का इस्तेमाल करते हुए आंत बाहर निकाल ली गई थी, उसकी वजह से इंफेक्शन बहुत ज्यादा था, यही नहीं, घटना के बाद बहुत देर तक बच्ची वहीं पर पड़ी रही, इस वजह से भी इंफेक्शन और बढ़ा। कंटेमिनेशन और बैक्टीरियल इंफेक्शन धीरे-धीरे बहुत सीवियर हो गया।

बात यही खत्म नहीं होती है, हमारे सामने एक बड़ी चुनौती यह थी कि अगर बच्ची बच भी जाती है तो बिना आंत के कैसे जिंदा रहेगी, इसके लिए स्मॉल बॉल ट्रांसप्लांट की जरूरत पड़ सकती थी। भारत में यह ट्रांसप्लांट नहीं होता है, इसलिए बच्ची को बेहतर इलाज की उम्मीद में सिंगापुर भेजा गया पर अफसोस की वह बच नहीं सकी। लेकिन आज वह जहां भी होगी, इन दरिंदों को फांसी के बाद उसे जरूर सुकून मिल रहा होगा।

कोरोना के मरीजों की निगरानी कर रहे लखनऊ के दो और डॉक्टर हुए संक्रमित, आइसोलेशन वॉर्ड में भर्ती

लखनऊ। लखनऊ के किंग जॉर्ज मेडिकल कॉलेज में कोरोना से संक्रमित मरीजों के इलाज में लगी डॉक्टर्स की टीम के दो सदस्यों में कोरोना से संक्रमण के लक्षण मिले हैं। इस टीम के सभी सदस्यों को फिलहाल चिकित्सकीय निगरानी में रखा गया है। वहीं संदिग्ध दोनों चिकित्सकों को आइसोलेशन वॉर्ड में भर्ती कराया गया है।

किंग जॉर्ज मेडिकल कॉलेज के इन चिकित्सकों के अलावा पूर्व में एक अन्य डॉक्टर के भी संक्रमित होने की पुष्टि हुई है। लखनऊ के इन दोनों मामलों के साथ यूपी में कोरोना से संक्रमित मरीजों की कुल संख्या 21 तक पहुंच

गई है।

सूत्रों के मुताबिक, ये दोनों चिकित्सक कनाडा से आई एक महिला और उसके रिश्तेदार के संक्रमित होने के बाद उसकी निगरानी कर रहे थे। बुधवार-गुरुवार की रात इन दोनों की तबीयत खराब होने के बाद इन्हें आइसोलेशन वॉर्ड में शिफ्ट कर दिया गया।

इससे पहले गुरुवार को लउछ के एक कर्मचारी को कोरोना पॉजिटिव पाया गया है। नोएडा में अब तक चार मामले सामने आ चुके हैं। एचसीएल के इस कर्मचारी को पहले ही निगरानी में रखा जा चुका है। कंपनी के अधिकारियों के अनुसार, ये मरीज टर्की से कुछ दिन पहले ही भारत लौटा था।

कोरोना वायरसः 4 नए मामलों के साथ लखनऊ में 9 हुई संख्या

लखनऊ। महामारी का रूप ले चुके कोरोना वायरस के मरीजों का मामला बढ़ता ही जा रहा है। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में शुक्रवार को 4 नए केस मिलने के साथ ही शहर में कोरोना पॉजिटिव मरीजों की संख्या बढ़कर 9 हो गई है।

किंग जॉर्ज मेडिकल यूनिवर्सिटी (केजीएमयू) प्रशासन ने इस बात की जानकारी दी। प्रशासन ने बताया, '4 और व्यक्तियों में कोरोना वायरस की पुष्टि हुई है। यहां कुल मरीजों की संख्या बढ़कर 9 पहुंच गई है।'

लखनऊ में इन चार नए मामलों के साथ उत्तर प्रदेश में कोरोना से संक्रमित मरीजों की कुल संख्या 23 तक पहुंच गई है।

बता दें कि केजीएमयू में कोरोना से संक्रमित मरीजों के इलाज में लगी डॉक्टर्स की टीम के दो सदस्यों में कोरोना से संक्रमण के लक्षण मिले हैं। इस टीम के सभी सदस्यों को फिलहाल चिकित्सकीय निगरानी में रखा गया है। वहीं संदिग्ध दोनों चिकित्सकों को आइसोलेशन वॉर्ड में भर्ती कराया गया है। सूत्रों के मुताबिक, ये दोनों चिकित्सक कनाडा से आई एक महिला और उसके रिश्तेदार के संक्रमित होने के बाद उसकी निगरानी कर रहे थे। बुधवार-गुरुवार की रात इन दोनों की तबीयत खराब होने के बाद इन्हें आइसोलेशन वॉर्ड में शिफ्ट कर दिया गया।

किशोरी ने लगाया गैंगरेप के प्रयास का आरोप

लखनऊ। इंस्पेक्टर माल ने बताया कि किशोरी ने आरोप लगाया है कि उसके पिता की चाय की दुकान पर आने वाले डंपर चालक इब्राहिम उर्फ गोल्डन ने उसे 12 मार्च को फोन कर जरूरी काम बताते हुए दुकान से कुछ दूरी पर बुलाया और अपने आठ साथियों के साथ अगवा कर लिया। वह लोग उसे इटौंजा के आसपास घुमाते रहे और गैंगरेप की कोशिश की। हालांकि पुलिस की गाड़ी देख वह घबरा गए तो मौका देखकर वह भाग निकली।

बुधवार को उसने हिम्मत कर घरवालों को पूरी बात बताई तो उन्होंने पुलिस से शिकायत की। परिवारीजनों का कहना है कि इंस्पेक्टर माल ने काफी टालने के बाद देर शाम रिपोर्ट दर्ज होने दी।

बागी विधायक सुरेश धाकड़ की बेटी ने की आत्महत्या, चार्टर्ड विमान से घर लौट रहे हैं एमएलए

भोपाल। मध्य प्रदेश में ज्योतिरादित्य सिंधिया समर्थक कांग्रेस के बागी विधायक सुरेश धाकड़ की बेटी ज्योति ने राजस्थान स्थित अपनी ससुराल राजस्थान में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली है। बीती रात को ही बागी विधायक धाकड़ का इस्तीफा स्वीकार किया है। पूर्व विधायक को बेंगलुरु से चार्टर्ड विमान से उनको घर पहुंचाया जा रहा है।

वाराणसीः शौच के लिए खेत में गई चार साल की मासूम से रेप, हालत गंभीर

वाराणसी। उत्तर प्रदेश के वाराणसी जिले के बाबतपुर इलाके में गुरुवार की सुबह दरिंदगी की हदें पार करने वाली घटना सामने आई। एक युवक ने चार साल की मासूम को हवस का शिकार बनाया। मासूम की हालत गंभीर बनी हुई है। 20 वर्षीय दुष्कर्म के आरोपी को ग्रामीणों ने पकड़कर पुलस के हवाले कर दिया है।

वाराणसी शहर से दूर बाबतपुर एयरपोर्ट के पास रहने वाली चार साल की मासूम गुरुवार की सुबह खेत में गई थी। शौच के लिए खुद पिता उसे खेत में छोड़कर आया था। काफी देर तक मासूम के न लौटने पर परिजन उसे खोजने

खेत में पहुंचे। एक घंटे की खोजबीन के बाद बच्ची को खून से लथपथ बदहवास पड़ी देख लोग सन्न रह गए। इसी समय थोड़ी दूर पर अरहर के खेत से एक युवक भागते दिखाई दिया। ग्रामीणों ने उसे पकड़ लिया।

घटना की जानकारी मिलने पर मौके पर पहुंची पुलिस ने मासूम को बड़ागांव प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र भिजवाया और युवक को कब्जे में लिया। हालत गंभीर देख स्वास्थ्य केंद्र के चिकित्सकों ने मासूम को मंडलीय अस्पताल कबीचौरा रेफर कर दिया। वहां से उसे बीएचयू भेज दिया गया है। युवक की पहचान रामपुर गांव के इरफान (20) के रूप में हुई है।

गर्मी में हनीमून के लिए बेस्ट हैं भारत के ये रोमांटिक डेस्टिनेशन

गर्मी में हनीमून के लिए बेस्ट हैं भारत के ये रोमांटिक डेस्टिनेशनभारत में लोग इन दिनों शादी से पहले ही हनीमून की प्लानिंग और बुकिंग करने लगते हैं। खासकर जिन कपल्स की शादी गर्मी के मौसम होती है, उन्हें हनीमून डेस्टिनेशन चुनने में काफी परेशानी का सामना करना पड़ता है। लाइफ पार्टनर के साथ कुछ पल बिताने के लिए देश में कई फेमस डेस्टिनेशन है। लेकिन यहां हम आपको ऐसे हनीमून डेस्टिनेशन्स के बारे में बता रहे हैं, जहां आप गर्मी के मौसम में भी अपने पार्टनर के साथ रोमांटिक टाइम बिता सकते हैं।

केरल

केरल गर्मियों में हनीमून कपल्स के लिए परफेक्ट डेस्टिनेशन है। यहां आपके लिए बीच से लेकर हिल स्टेशन तक मौजूद है। केरल में आप एक तरफ मुन्नार में हरी-भरी पहाड़ियां और चाय-कॉफी के बागान का लुत्फ उठा सकते हैं। वहीं एलेप्पी और कुमाराकॉम के बैकवॉटर्स में अपको सपने का एहसास होगा। साथ ही आप वकार्ला के रॉकी क्लिफ और कोवलम के खूबसूरत समुद्र तट को अपनी लिस्ट में जरूर रखना चाहेंगे। केरल में हनीमून मनाकर आपको लाइफटाइम एक्सपीरियंस महसूस होगा। केरल का कोचीन, तिरुवनंतपुरम भारत के सभी प्रमुख शहरों से रेल और हवाई मार्ग से जुड़े हुए हैं। इसके अलावा आप चेन्नै, बेंगलुरु या मुंबई से आप वाया रोड केरल पहुंच सकते हैं।

अंडमान-निकोबार

अंडमान-निकोबार द्वीपसमूह को भारत में हनीमून कपल्स का स्वर्ग कहा जाता है। गर्मी के मौसम में अंडमान आपके लिए परफेक्ट हनीमून डेस्टिनेशन हो सकता है। इसकी वजह है यहां का परफेक्ट मौसम, भीड़भाड़ से दूर समुद्र का शांत किनारा, खूबसूरत बीच और रिजॉर्ट, वॉटर स्पोर्ट्स के ढेरों ऑप्शन्स और टेस्टी फूड। इससे ज्यादा और क्या चाहिए। यहां आप हैवलॉक आइलैंड, एलिफेंटा बीच, नील आइलैंड, सेलुलर जेल जैसी जगहों का आनंद उठा सकते हैं। साथ ही यहां आप स्कूबा डाइविंग, स्नोरकेलिंग के अलावा बीच पर पार्टनर के साथ पैदल घूम सकते हैं और बैठकर शाम को आप यहां के खूबसूरत सनसेट का अदभुत नजारा देख सकते हैं। यहां पहुंचना बेहद आसान है। यहां का नजदीकी एयरपोर्ट पोर्ट ब्लेयर है। आप चाहें तो चेन्नई या कोलकाता से फ्लाइट या फेरी के जरिए भी अंडमान

पहुंच सकते हैं।

नैनीताल

उत्तराखंड का हिल स्टेशन नैनीताल भी गर्मी में हनीमून के लिए बेहतरीन स्थान है। पहाड़ों से घिरा हुआ नैनीताल बेहद खूबसूरत है और दिल्ली से इसकी दूरी सिर्फ 337 किलोमीटर है। इस जगह पर आकर अपने पार्टनर के साथ रोमांटिक समय बिता सकते हैं। साथ ही यहां मौजूद टिफिन टॉप और खूबसूरत पहाड़ों को देखने के लिए आप नैनीताल को चुन सकते हैं। यहां पहुंचना काफी आसान है। आप हवाई मार्ग, रेल मार्ग और सड़क मार्ग के जरिए यहां पहुंच सकते हैं। नैनीताल से सबसे नजदीकी एयरपोर्ट पंटानगर है, जिसकी दूरी 50 किलोमीटर है। साथ ही आप सरकारी बस सेवा से यहां पहुंच सकते हैं। रेल रूट की बात करें, तो काठगोदाम यहां से सबसे नजदीकी रेलवे स्टेशन है। दिल्ली और काठगोदाम रेलवे स्टेशन के बीच कई ट्रेन्स मौजूद है।

मनाली

पिछले कई दशकों से हिमाचल प्रदेश का शहर मनाली बेस्ट हनीमून डेस्टिनेशन्स में से एक बना हुआ है। धौलाधार और पीर पंजल की पर्वत श्रृंखला और धड़कनें बढ़ा देने वाली अडवेंचर ऐक्टिविटीज की वजह से मनाली न सिर्फ हनीमून पर आए लोगों के लिए बल्कि हर तरह के टूरिस्ट के लिए परफेक्ट डेस्टिनेशन है। यहां ध रोहतांग पास, सोलन घाटी, ओल्ड मनाली, कुल्लू में रिवर राफ्टिंग और भृगु लेक जैसी जगहें घूम सकते हैं। देश के सभी बड़े शहरों से पहुंचना बेहद आसान है। मनाली से सबसे नजदीकी एयपोर्ट कुल्लू-मनाली एयरपोर्ट है। दिल्ली और चंडीगढ़ से सीधी फ्लाइट के जरिए आप मनाली पहुंच सकते हैं। साथ ही दिल्ली, चंडीगढ़, राजस्थान या यूपी से पब्लिक ट्रांसपोर्ट साथ-साथ अपनी गाड़ी के जरिए भी मनाली पहुंच सकते हैं।

गंगटोक-दार्जिलिंग

गर्मियों के मौसम में हनीमून के लिए जाने वाली बेस्ट जगहों की लिस्ट में गंगटोक और दार्जिलिंग की शामिल हैं। इन दोनों जगहों को एक ही ट्रिप में कवर किया जा सकता है। इन रोमांटिक स्थानों की सैर करने का आपका एक्सपीरियंस बेहतरीन रहेगा। टाइगर हिल से उगते सूरज को देखने का अनुभव हो या फिर टॉय ट्रेन में घूमने की मस्ती। आप इन अनुभवों को हमेशा याद रखेंगे। इन दोनों शहरों तक देश के किसी भी हिस्से से पहुंचना बेहद आसान है। यहां का सबसे नजदीकी एयरपोर्ट बागडोगरा है। देश के सभी शहरों से बागडोगरा तक सीधी फ्लाइट मौजूद है। आप न्यू जलपाइगुड़ी स्टेशन तक ट्रेन से आ सकते हैं और फिर वहां से सड़क मार्ग से गंगटोक और दार्जिलिंग पहुंच सकते हैं। आप यहां दार्जिलिंग के चाय बागान, पेलिंग, टाइगर हिल, बसिस्ता लूप, मिरिक लेक, नाथू ला, रुमटेक मोनेस्ट्री देख सकते हैं।

लेह-लद्दाख

भारत के उत्तर में लेह-लद्दाख को हनीमून के लिए एक बेस्ट डेस्टिनेशन के रूप में जाना जाता है। पहाड़ की खड़ी चोटियां, शांत और सौम्य पैंगॉन्ग लेक के साथ यहां का मंत्रमुग्ध कर देने वाला वातावरण लेह-लद्दाख को भारत का बेस्ट समर हनीमून डेस्टिनेशन बनाता है। यहां आकर आपको लगेगा कि इस जगह के हर कॉर्नर में रोमांस भरा है। यहां आप नुब्रा घाटी, जन्स्कार, शांति स्तूप, थिकसे मोनेस्ट्री, नामग्याल त्सेमो मोनेस्ट्री जैसी खूबसूरत जगहों की सैर कर सकते हैं। ऐसे पहुंचने के लिए आप हवाई मार्ग, सड़क मार्ग और रेलवे का इस्तेमाल कर सकते हैं। यहां से सबसे नजदीकी एयरपोर्ट कुशोक बाकुला रिम्पोछे एयरपोर्ट है।

मुंबई हलचल राशिफल

आचार्य परमानंद शास्त्री

मेष
नए अनुबंध की दिशा में सफलता मिलेगी। मांगलिक या सांस्कृतिक उत्सव में हिस्सेदारी रहेगी। रचनात्मक प्रयास फलीभूत होंगे।

सिंह
पारिवारिक दायित्व की पूर्ति होगी। आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। गृह उपयोगी वस्तुओं में वृद्धि होगी। शासन सत्ता का सहयोग रहेगा।

धनु
मन अज्ञात भय से ग्रसित रहेगा। छोटी-छोटी बातों में उत्तेजित होंगे। वाणी पर संयम रखें। संतान का सहयोग रहेगा।

वृष
आर्थिक योजना सार्थक होगी। अधीनस्थ कर्मचारी या बहन के कारण तनाव मिल सकता है। जबकि उच्च अधिकारी का सहयोग मिलेगा।

कन्या
व्यावसायिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी। शाही खर्च से बचना चाहिए। धन हानि की आशंका है। स्वास्थ्य और प्रतिष्ठा में जोखिम न उठाएं।

मकर
स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। आर्थिक मामलों में सचेत रहें। पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद होगी।

मिथुन
व्यावसायिक योजना सार्थक होगी। मैत्री संबंध मधुर होंगे। दांपत्य जीवन सुखमय होगा। पारिवारिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी।

तुला
किया गया पुरुषार्थ सार्थक होगा। रिश्तों में मधुरता आएगी। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में सफलता मिलेगी।

कुंभ
जीविका के क्षेत्र में प्रगति होगी। सामाजिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी। किसी कार्य के संपन्न होने से आपके प्रभाव में वृद्धि होगी।

कर्क
आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। रिश्तों में मधुरता आएगी लेकिन शिक्षा या संतान तनाव का कारण रहेगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें।

वृश्चिक
उपहार या सम्मान में वृद्धि होगी। शाही खर्च से बचें। कोई ऐसी बात हो सकती है जो आपके हित में न हो। पारिवारिक दायित्व की पूर्ति होगी।

मीन
शासन सत्ता से सहयोग लेने में सफल होंगे। पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। जीविका के क्षेत्र में प्रगति होगी।

उत्तर प्रदेश में बंद हुए बौद्ध मंदिर, अभयारण्य और मसाज पार्लर

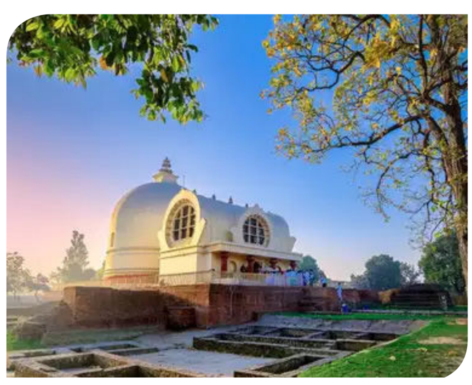

सरकार के आदेशों का पालन करते हुए उत्तर प्रदेश के कुशीनगर के सभी प्रमुख बौद्ध मंदिरों को बंद कर दिया गया है। जिन मंदिरों को बंद किया गया है उनमें महानिर्वाण मंदिर, मठ कंवर श्राइन और रामभर स्तूप या मुक्ति बंधन शामिल हैं, जहां 483 ईसा पूर्व में बुद्ध का अंतिम संस्कार किया गया था। वाराणसी का सारनाथ मंदिर दो दिन पहले ही बंद किया जा चुका है। सरकार ने बुधवार देर रात प्रदेश की राजधानी लखनऊ में सभी मसाज पार्लर और स्पा सेंटर्स को बंद करने का आदेश जारी किया।

क्षेत्रीय पर्यटन अधिकारी रविन्द्र ने कहा, विदेशी पर्यटकों को वीजा जारी न करने के कारण कुशीनगर के सभी प्रमुख बुद्ध स्थलों को बंद कर दिया गया है। जापान, कोरिया, चीन और अन्य देशों से अनुयायी इन मंदिरों में आते हैं। यह पर्यटन का व्यस्ततम समय है और ऐसे समय में इन स्थलों को बंद करने से पर्यटन इण्डस्ट्री पर असर पड़ेगा। लखनऊ प्रशासन ने बुधवार देर रात प्रदेश की राजधानी में सभी मसाज पार्लर और स्पा सेंटर्स को बंद करने का आदेश जारी किया। लखनऊ का मशहूर नेशनल बॉटनिकल गार्डन भी जनता के लिए बंद कर दिया गया है।

तत्काल प्रभाव से राज्य में टाइगर रिजर्वस और वन्यजीव अभ्यारण्य में सभी पर्यटन गतिविधियां को 31 मार्च तक निलंबित कर दिया गया है। दुधवा टाइगर रिजर्व, पीलीभीत में चूका टाइगर रिजर्व और कतर्नियाघाट अभयारण्य में भी पर्यटन गतिविधियां रद्द कर दी गई हैं। उत्तर प्रदेश वन निगम के महाप्रबंधक इवा शर्मा ने कहा, लोग इन रद्दीकरण के खिलाफ ऑनलाइन धनवापसी की मांग कर सकते हैं। लोगों के जमावड़े और उससे वायरस फैलने से रोकने के लिए यह बचाव जरूरी है।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

एक चाय की प्याली आपको बना रही है बीमार

चाय जो यूरोप और अमेरिका जैसे देशों में रहने वाले लोगों के लिए सही है किन्तु गर्म देशों में रहने वाले व्यक्तियों के लिए चाय जहर के समान होती है। गर्म देशों में रहने वाले लोगों के पेट में अम्लीय (एसिडिक) की मात्रा पहले ही अधिक होती है अब चाय के पीते ही यह और अधिक हो जाती है। इसके कारण से पेट में जलन और सीने में जलन जैसी बीमारियाँ बनने लगती हैं। उसके साथ चाय में उपयोग की गयी चीनी तो आपको बीमार बना रही है। शुगर, दिल की बीमारियाँ, और ब्लडप्रेशर की बीमारी होने का खतरा बढ़ जाता है. आप एक प्रयोग भी कीजिये कि जब चाय पी लें तो अपना ब्लडप्रेशर नापें और शुगर को नापें। चाय पीने के नुकसान इतने भयंकर है कि आप शायद चाय पीना खुद ही छोड़ दें।

1. पेट हो रहा है खराबचाय पीने से आपका पेट पूरी तरह से खराब हो जाता है. आपकी पाचन शक्ति खराब हो जाती है और साथ ही साथ आपके पेट में तेजाब बनना शुरू हो जाता है।

2. गैस की समस्या गर्म देशों में चीनी की चाय पीने से गैस की समस्या होने लगती है. वही अम्लीय होने की वजह से आपके शरीर में एसिड की मात्रा बढ़ जाती है। जो गैस और जलन करने लगती है।

3. हाथ पैरों में दर्द की वजह चाय आपके हाथ पैरों में अगर बहुत दर्द होता है तो उसकी वजह चाय ही है. चाय का असर हमारी हड्डियों पर पड़ता है। वह गलने लगती हैं। कम उम्र में ही दर्द होना, सोते वक़्त दर्द होना यह सब चाय की वजह से ही होता है। **4.** ब्लडप्रेशर हाई हो जाता है ठंडे इलाकों में रहने वाले लोगों का ब्लडप्रेशर लो रहता है. लेकिन हमारे यहाँ ऐसा कुछ ही दिन होता है जब अधिक सर्दी होती है. बाकी समय में चाय पीने से हमारा ब्लडप्रेशर तुरंत हाई हो जाता है। अब आपका ब्लडप्रेशर लो है तो आप चाय पि लीजिये लेकिन बाकी लोगों के लिए चाय जहर होती है। **5.** केलोस्ट्रोल की मात्रा बढ़ती है चाय पीने से शरीर में केलोस्ट्रोल की मात्रा बढ़ जाती है। अर्थात खून में कचरा बढ़ता है और दिल तक खून पहुंचना मुश्किल होने लगता है। बाद में हार्ट प्रोब्लम्स हो जाती हैं। तो अब चाय पीने के नुकसान जानकार आप समझ गये ना कि चाय क्यों एक जहर है? अब चाय पीने के नुकसान से बचना है और आपको चाय पीनी है तो आप चीनी की जगह गुड़ का उपयोग करें और चाय में दूध ना डालें साथ ही साथ चाय की हरी पत्तियों का उपयोग करें ना कि काले सूखे कचरे का उपयोग करें आपको यह जानकर हैरानी होगी कि अंग्रेजों से पहले देश में चाय की खेती नहीं होती थी अब अंग्रेज आये तो उन्होंने इस जहर की खेती की. उनको चाय की जरूरत भी थी क्योंकि उनका ब्लडप्रेशर लो रहता था।

बियर पिने से होते यह फायदे

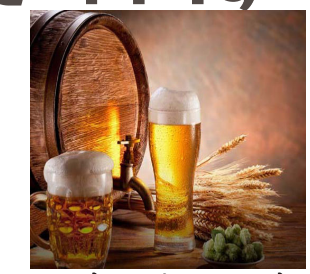

चाय और कॉफी के अलावा, दुनिया में तीसरी सबसे मशहूर ड्रिंक यानी बीयर की लोकप्रियता भला किससे छिपी है। हालांकि बीयर अधिक पीना सेहत के लिए फायदेमंद नहीं है लेकिन ऐसा भी नहीं है कि इसके सिर्फ नुकसान ही नुकसान हैं। कई शोधों में बीयर के कुछ ऐसे फायदों के बारे में भी दावे हुए हैं जो आपको चौंका सकते हैं। जी हां, अगर आप कभी-कभी बीयर पी लेते हैं और वह भी बहुत संतुलित मात्रा में तो उसके कुछ फायदे भी हो सकते हैं। जानिए बीयर पीने के चौंकाने वाले फायदे।

1. बीयर इतनी बुरी नहीं बीयर पीना या न पीना आपकी इच्छा पर निर्भर करता है। लेकिन, हम यहां आपको बता रहे हैं कि दस ऐसे कारण जिन्हें पढ़कर आपको ज्ञात होगा कि अगर इसका सेवन संतुलित मात्रा में किया जाए तो बीयर आपके लिए क्यों नुकसानदेह नहीं है। याद रखें, हम आपको बीयर पीने के लिए प्रेरित नहीं कर रहे। अगर आप शराब नहीं पीते या आपको कोई स्वास्थ्य समस्या है, तो आपको इसका सेवन नहीं करना चाहिये।

2. बीयर पीने वाले लंबा जीते हैं संतुलित मात्रा में बीयर पीना आपकी सेहत के लिए अच्छा होता है। हां, ज्यादा मात्रा जरूर आपकी सेहत बिगाड़ सकती है। अगर आप ज्यादा पीते हैं, तो आपको कैंसर जैसी कई खतरनाक बीमारियां हो सकती हैं, लेकिन अगर आप बिलकुल ही नहीं पीते, तो यह भी आपकी सेहत के लिए अच्छा नहीं। कई शोध यह बता चुके हैं कि संतुलित मात्रा में पीने वाले, ज्यादा पीने वालों या बिलकुल ही न पीने वालों की अपेक्षा अधकि लंबा जीवन जीते हैं। बीयर संतुलित मात्रा में पीने के लिए उपयुक्त है। इसमें एल्कोहल की मात्रा वाइन और व्हिस्की आदि की अपेक्षा कम होती है।

अजवाइन सुबह खाली पेट लेने से फायदे

अजवाइन औषधीय गुणों का भंडार है तभी तो रसोईघर के साथ ही आयुर्वेद में भी इसका खूब इस्तेमाल किया जाता है। अजवाइन न सिर्फ खाने का स्वाद बढ़ाता है बल्कि यह आपको पेट से जुड़ी की बीमारियों को भी दूर रखने में मदद करता है. अजवाइन की तरह ही अगर इसका पानी रोज सुबह खाली पेट पिया जाए तो यह पूरे शरीर के लिए लाभदायक होता है।

1. इसे रोजाना पीने से डायबिटीज होने का खतरा कम हो जाता है।

2. दिल की बीमारियों से बचने के लिए यह एक कारगार औषधि है।

3. मुंह से जुड़ी बीमारियों में भी यह काफी लाभदायक हैं। अगर आप रोजाना सुबह इसका पानी पीते हैं तो दांतो का दर्द और मुंह की बदबू की प्रॉब्लम दूर होती है। **4.** यह पेट की बीमारियों को दूर करता है और कब्ज से भी राहत देता है. यह खाना जल्दी पचाने में हेल्प करता है।

5. इससे रोजाना पीने से बॉडी का मेटाबॉलिज्म को बढ़ता है जिससे वजन घटाने में मदद मिलती है। इसे दिन में दो बार पीने से डायरिया जैसी बीमारियां दूर होती हैं।

टमाटर के फायदे और नुकसान

टमाटर पर किए गए परीक्षणों से ज्ञात हुआ कि टमाटर सब्जी नहीं, बल्कि पौष्टिक व गुणकारी फल है। गर्भावस्था के दौरान स्त्रियों के शरीर में लौह तत्व की कमी को पूरा करने वाला टमाटर को स्वादिष्ट व गुणकारी फल माना जाता है। टमाटर में भरपूर मात्रा में कैल्शियम, फास्फोरस व विटामिन सी पाये जाते हैं, विटामिन, पोटाश, मैगजीन, लौह और कैल्शियम से भरपूर टमाटर को चटनी, सांस कैचाअप, जैम और विभिन्न व्यंजनों के रूप में सेवन किया जा सकता है। इसके अलावा लोग सर्दियों के मौसम में टमाटर का सूप भी पीते हैं। यह सेहत के लिए बहुत ही लाभदायक है।

टमाटर के फायदे

1. एनीमियाके रोगी को रोजाना दो सौ ग्राम टमाटर का रस पीने से बहुत लाभ होता है।

2. रोजाना टमाटर का रस पीने से जॉडिस रोग में बहुत लाभ होता

3 कम वजन से परेशान लोग यदि भोजन के साथ पक्के टमाटर खाएं तो उनका वजन बढ़ता है।

4. पेट में कीड़े हो तो टमाटर के टुकडों पर या रस में काली मिर्च का चूर्ण और सेंधा नमक डालकर खाएं। पेट के कीड़े दूर हो जाएंगे।

टमाटर के नुकसान

गैस होना

टमाटर का अधिक सेवन करने से हमें गैस और पेट दर्द का सामना भी करना पड़ सकता है, क्योंकि इसमे अधिक मात्रा में

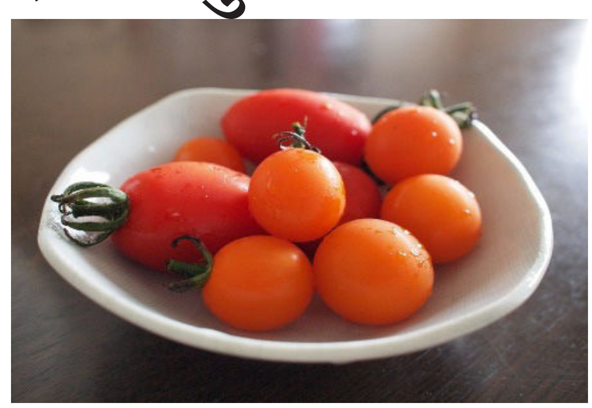

एसिड पाया जाता है। जिसके कारण यह एसिडिटी की वजह बन जाता है।

इम्यून सिस्टम पर असर

टमाटर में कैरोटीनॉयड होता है, जो इम्यून सिस्टम को प्रभावित करता है। जब हम कच्चे टमाटर का अधिक सेवन करते हैं, तो इससे इम्यून सिस्टम पर बहुत ही गहरा असर पड़ता है।

पथरी का कारण

टमाटर के बीज का सेवन करने से हमें बहुत ही नुकसान होता है, इसलिए आप जब भी टमाटर के सलाद का सेवन कर रहे होते है, तो इस बात का ध्यान रखना चाहिए कि कही आप टमाटर के बीज का सेवन तो नहीं कर रहे। टमाटर के बीज आसानी से नहीं पच पाते, जिसके कारण हमें पथरी का सामना करना पड़ता है।

यूनान ने तोक्यो को सौंपी ओलिंपिक मशाल, बंद दरवाजों में आयोजित हुआ कार्यक्रम

एथेंस। यूनान ने कोरोना वायरस महामारी के कारण ओलंपिक को स्थगित करने की अपीलों के बीच गुरुवार को यहां बंद दरवाजों के अंदर आयोजित किए गए समारोह में तोक्यो 2020 के आयोजकों को ओलिंपिक मशाल सौंपी। दर्शकों की गैरमौजूदगी में ओलंपिक जिम्नैस्ट चैंपियन लेफ्टेरिस पेट्रोनियास ने मशाल लेकर दौड़ लगाई।

ओलिंपिक पोल वॉल्ट चैंपियन कैटरीना स्टेफनिडी ने पैनथैनेसिक स्टेडियम के अंदर ओलिंपिक अग्निकुंड को प्रज्वलित किया। इसी स्टेडियम में 1896 में पहले आधुनिक ओलिंपिक खेल हुए थे।

इसके बाद यह मशाल तोक्यो 2020 के प्रतिनिधि नाओको इमोतो को सौंप दी गई। इमोतो तैराक हैं और उन्होंने 1996 अटलांटा ओलिंपिक खेलों में हिस्सा लिया था। यूनिसेफ की प्रतिनिधि इमोतो को आखिरी क्षणों में नियुक्त किया गया क्योंकि वह यूनान में रहती हैं और उन्हें जापान से यात्रा करने की जरूरत नहीं पड़ी।

पिछले सप्ताह प्राचीन ओलंपिया में मशाल प्रज्जवलित करने का समारोह भी दर्शकों के बिना आयोजित किया गया था। कोरोना वायरस के कारण कई टूर्नामेंट स्थगित कर दिए गए हैं और ओलिंपिक को भी स्थगित करने की मांग कुछ खिलाड़ी कर रहे हैं।

अगर आईपीएल 2020 हुआ तो डेविड वॉर्नर खेलेंगे: मैनेजर

मेलबर्न। ऑस्ट्रेलिया के सलामी बल्लेबाज डेविड वॉर्नर के मैनेजर ने गुरुवार को कहा कि अगर आईपीएल का 13वां चरण आयोजित होता है तो वह इसमें हिस्सा लेने की इच्छा रखते हैं, भले ही दुनिया भर में कोविड-19 महामारी का प्रकोप जारी रहे। पिछले हफ्ते आईपीएल को 15 अप्रैल तक के लिए निलंबित कर दिया गया था। इस महामारी को देखते हुए इसके आयोजन पर भी संशय बना हुआ है। वॉर्नर के मैनेजर जेम्स अर्सकिन ने द ऐज से कहा, अगर आईपीएल का आयोजन होता है तो डेविड वॉर्नर इसमें खेलना चाहेंगे। उल्लेखनीय है कि दुनियाभर में खेल टूर्नामेंट या तो रद्द हो रहे हैं या तो स्थगित हो रहे हैं। ऐसे में अब यह टूर्नामेंट 29 मार्च से 15 अप्रैल तक के लिए टाल दिया गया है। इससे पहले यह कहा जा रहा था कि आईपीएल अपने पहले से तय शेड्यूल पर खाली स्टेडियम में खेला जाएगा। लेकिन फ्रैंचाइजियों ने बिना दर्शकों के मैच से इनकार कर दिया। इसके बाद बीसीसीआई अधिकारियों ने इस टूर्नामेंट को करीब दो सप्ताह के लिए आगे टाल देना ही बेहतर समझा।

एफआईएच प्रो लीग का स्थगन 17 मई तक बढ़ा, भारतीय मैच प्रभावित

लुसाने। अंतरराष्ट्रीय हॉकी महासंघ (एफआईएच) ने कोविड-19 महामारी के कारण प्रो लीग के सभी मैचों को अब 17 मई तक स्थगित कर दिया है। इनमें भारत के मैच भी शामिल हैं। एफआईएच ने पिछले शनिवार को प्रो लीग के सभी मैचों को 15 अप्रैल तक स्थगित किया था।

विश्व हॉकी की सर्वोच्च खेल संस्था ने बयान में कहा, कोविड-19 प्रकोप के ताजा घटनाक्रम के आधार पर और दुनियाभर में संबंधित सार्वजनिक अधिकारियों की प्रतिक्रिया के आधार पर एफआईएच ने सभी भागीदार राष्ट्रीय महासंघ के समर्थन से एफआईएच हॉकी प्रो लीग को स्थगित करने की समयसीमा 17 मई तक बढ़ाने का फैसला किया।

भारतीय पुरुष टीम को 25 और 26 अप्रैल को जर्मनी के खिलाफ बर्लिन में दो मैच खेलने थे जबकि इसके बाद उसने लंदन दो और तीन

मई को ग्रेट ब्रिटेन का सामना करना था। भारत को इसके बाद 23 और 24 मई को न्यूजीलैंड की मेजबानी करनी है और फिर उसे पांच और छह जून को अर्जेंटीना से भिड़ने के लिए जाना है। भारत का एफआईएच प्रो लीग में आखिरी मुकाबला स्पेन से होगा जिससे उसे वैलेंसिया में 13 और 14 जून को खेलना है। न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया अपने आगामी मैचों के लिए यूरोप का दौरा नहीं करने का पहले ही फैसला कर चुके हैं।

कोरोना काल में ओलिंपिक की तैयारी... मजाक कर रहे हैं क्या: पी. कश्यप

नई दिल्ली। भारतीय बैडमिंटन टीम के हेड कोच पुलेला गोपीचंद ओलिंपिक्स को जारी रखने के विचार से कतई इत्तेफाक नहीं रखते और उन्होंने इसे स्थगित किए जाने की मांग की है। दूसरी ओर, शटलर पारुपल्ली कश्यप ने आईओसी के खिलाड़ियों को तोक्यो खेलों की तैयारियां जारी रखने के लिए प्रोत्साहित करने संबंधी बयान को मजाक करार देते हुए कहा कि इसका कोई मतलब नहीं बनता क्योंकि सरकार ने कोविड-19 के कारण सारे अभ्यास केंद्र बंद कर रखे हैं।

कश्यप ने ट्वीट किया, द्यआईओसी हमें अभ्यास जारी रखने के लिए प्रोत्साहित कर रही है .. और कैसे? कहां? आप मजाक कर रहे हो। कश्यप बर्मिंघम में ऑल इंग्लैंड चैंपियनशिप में भाग लेने के

बाद लौटे हैं और उन्होंने खुद को अलग-थलग रखा है।

गोपीचंद का मानना है कि कोरोना के कारण दुनिया अभी जिस अप्रत्याशित संकट का सामना कर रहा है उसे देखते हुए तोक्यो ओलिंपिक्स स्थगित कर देने चाहिए। उन्होंने कहा, मेरा मानना है कि मौजूदा हालात में सारी दुनिया अपने नागरिकों के स्वास्थ्य और सुरक्षा के बारे में सोच रही है, इसलिए परिस्थिति को ध्यान में रखते हुए ओलिंपिक खेलों को स्थगित करना ही बेहतर होगा। वर्ल्ड बैडमिंटन महासंघ की इस महीने ऑल इंग्लैंड के आयोजन के लिए कड़ी आलोचना की गई थी। गोपीचंद ने एक इंटरव्यू में पीटीआई से कहा, मुझे ओलिंपिक को लेकर संदेह है। इनके आयोजन में अब ज्यादा समय नहीं बचा है। तैयारियां अभी से शुरू होनी चाहिए थीं। इसलिए आईओसी को अभी फैसला करना होगा जिससे हर कोई राहत की सांस ले सके। बर्मिंगम से लौटने के बाद खुद अलग-थलग रह रहे गोपीचंद ने कहा, निश्चित तौर पर मुझे लगता है कि बीडब्ल्यूएफ की तरफ से यह गलत फैसला था कि उसने ऑल इंग्लैंड का आयोजन करके खिलाड़ियों को जोखिम में रखा।

पूनम यादव अपनी गेंदबाजी से हैं खुश, कहा- पहले से अधिक तेज और सटीक हुई गुगली

मुंबई। ऑस्ट्रेलिया में हुई टी-20 वर्ल्ड कप में बड़े-बड़े बल्लेबाजों को अपनी लहराती गेंदों से हैरान करने वाली पूनम यादव का मानना है कि उनकी गुगली पहले से कहीं अधिक तेज और सटीक हुई है। आगरा की 28 वर्षीय लेग स्पिनर ने ऑस्ट्रेलिया में 10 महत्वपूर्ण विकेट लेते हुए भारत को फाइनल में पहुंचाने में अहम भूमिका निभाई थी। वह फिलहाल टी-20 में दुनिया की 7वीं, जबकि वनडे में 8वीं रैंक की गेंदबाज हैं।

वर्ल्ड कप से पहले लगी चोट और टूर्नामेंट की तैयारी के बारे में उन्होंने बताया, 'बड़े टूर्नामेंट से पहले मैंने अपने बाएं हाथ की तर्जनी को घायल कर ली थी। उस दौरान मैंने अपने कौशल पर काम

किया। मैंने इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया के खिलाड़ियों के विडियो देखे। जब मैं अभ्यास करता हूं, तो मेरे पास हर दिन एक योजना होती है। उदाहरण के लिए मैं दिनभर गुगली से गेंदबाजी करती हूं। एक स्टंप के साथ लगातार प्रैक्टिस से खेल सुधरा। गुगली पहले से कहीं अधिक तेज और सटीक हुई, जिसका फायदा भी हमें मिला। हार पर चर्चा करते हुए उन्होंने कहा, 'मैं यह नहीं कहूंगी कि हम कमजोर पड़ गए। हमने पूरे टूर्नामेंट में अच्छी क्रिकेट खेली। हमने केवल एक मैच में अच्छा नहीं खेला। उस दिन बेहतर खेलने वाली टीम जीती। टी 20 में, एक ओवर या एक बल्लेबाज एक खेल को बदल सकता है। ऑस्ट्रेलिया ने फाइनल में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया। हम नहीं कर सके यहां तक कि इंग्लैंड के खिलाफ 2017 में वनडे फाइनल में में भी जब हम ट्रॉफी उठाने के इतने करीब थे तो कप फिसल गया था।'

कबड्डी को ओलंपिक में शामिल करने के प्रयास किए जाएंगे: किरेन रिजिजू

नई दिल्ली। कबड्डी को सरकार का समर्थन होने का रेखांकित करते हुए युवा खेल एवं खेल मामलों के मंत्री किरेन रिजिजू ने लोकसभा में कहा कि कबड्डी को लोकसभा में ले जाने के प्रयास किए जाएंगे। रिजिजू ने प्रश्न काल के दौरान बताया कि केंद्र सरकार स्वदेशी खेलों को प्रोत्साहित तर रही है और कबड्डी को मान्यता दी है। उन्होंने गणेशमूर्ति के मूल प्रश्न का जवाब देते हुए बताया कि खेलों में चयन प्रक्रिया अहम है। इसे पारदर्शी होने के साथ ही इसमें किसी भी प्रकार का भेदभाव नहीं होना चाहिए।

कोरोना वायरस को लेकर स्थितियों को नियंत्रण में रखने के लिए खेल मंत्रालय ने गुरुवार को देश में सभी तरह के खेल आयोजनों, प्रतियोगिताओं और ट्रायल पर तत्काल प्रभाव से रोक लगा दी। खेल मंत्री किरन रिजिजू ने घोषणा की है कि 15 अप्रैल तक कोई भी खेल संघ किसी तरह की खेल गतिविधि को संचालित नहीं कर सकेगा।

साइना ने ऑल इंग्लैंड को जारी रखने पर आयोजकों को फटकारा, कहा- खिलाड़ियों की सुरक्षा दांव पर लगी

नई दिल्ली। भारतीय बैडमिंटन स्टार साइना नेहवाल ने कोविड-19 महामारी के बावजूद पिछले सप्ताह ऑल इंग्लैंड चैंपियनशिप जारी रखने के लिए खेल प्रशासकों पर खिलाड़ियों की सुरक्षा पर वित्तीय लाभ को प्राथमिकता देने का आरोप लगाया। उन्होंने डेनमार्क के एक खिलाड़ी के ट्वीट को रिट्वीट करते हुए टूर्नामेंट के आयोजन पर हैरान जताई। साइना ने ट्वीट किया, मैं सिर्फ एक बात सोच सकती हूं कि खिलाड़ियों की सुरक्षा और भावनाओं के बजाय वित्तीय हितों को अधिक तवज्जो दी गई। इसके अलावा पिछले सप्ताह ऑल इंग्लैंड ओपन 2020 को जारी रखने का कोई अन्य कारण नहीं था। 30 वर्षीय खिलाड़ी इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट के पहले दौर में हारकर बाहर हो गईं थी। कोरोना वायरस के कारण दुनिया भर में कई खेल प्रतियोगिताएं स्थगित कर दी गई थी लेकिन ऑल इंग्लैंड बैडमिंटन टूर्नामेंट को जारी रखा गया था।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

मैं हमेशा से रोहित शेट्टी की फिल्म का हीरो बनना चाहता था: रणवीर सिंह

रणवीर सिंह इन दिनों अपनी अगली फिल्म '83' की शूटिंग में व्यस्त हैं। पिछले साल उन्होंने जाने-माने डायरेक्टर रोहित शेट्टी की फिल्म सिम्बा में काम किया था। अब उन्होंने रोहित के बारे में अपने दिल की बात कही है। उनका कहना है कि वह हमेशा से ही रोहित शेट्टी की फिल्म में हीरो बनना चाहते थे। रणवीर ने कहा, रोहित ऐक्शन-एंटरटेनमेंट और मसाला फिल्मों के किंग हैं। मैं हमेशा से ही उनका हीरो बनना चाहता था और जब मुझे यह मौका मिला तो मैंने खुद को इसमें उड़ेल दिया। हम दोनों ही एंटरटेनर्स हैं। हमें दर्शकों का भरपूर मनोरंजन करना पसंद है। फिल्म में रणवीर पुलिस अफसर संग्राम भालेराव के किरदार में थे। रणवीर के लिए यह किरदार उनके दिल में एक खास जगह रखता है। रणवीर ने कहा, संग्राम भालेराव हमेशा मेरे दिल के बहुत करीब रहेगा क्योंकि मुझे एक ऐसी फिल्म, एक ऐसी शैली में काम करने को मिला जो मेरा घर है।

दिलजीत दोसांझ ने छोड़ दिया यामी का साथ?

पंजाबी मुंडादिलजीत दोसांझ और 'उरी' गर्ल यामी गौतम पहली बार निमार्ता रमेश तौरानी की अनाम फिल्म से एक साथ स्क्रीन पर नजर आने वाले थे। इस ताजातरीन जोड़ी को लेकर दोनों के फैंस खासे एक्साइटेड भी थे, लेकिन अब खबर आ रही है कि दिलजीत ने इस फिल्म को लेकर अपना मन बदल लिया है। दरअसल, निमार्ता रमेश तौरानी ने यह घोषणा की थी कि वह दिलजीत दोसांझ और यामी गौतम के साथ एक कामिडी फिल्म बनाने जा रहे हैं। इस फिल्म से जाने-माने निर्देशक अजीज मिर्जा के बेटे हारून मिर्जा अपनी डायरेक्शन की पारी शुरू करेंगे। हारून इससे पहले अपने पापा को 'यस बॉस' और 'राजू बन गया जेंटलमैन' जैसी चर्चित फिल्मों में असिस्ट कर चुके हैं। करीब 3 महीने पहले जोरशोर से अनाउंस हुई इस फिल्म की शूटिंग इसी महीने शुरू होने वाली थी। फिल्म से जुड़े सूत्रों के मुताबिक, फिल्म की शूटिंग मुंबई के आसपास के इलाकों में होनी थी।

जब सोनम कपूर की याद आती है तो ऐसा करते हैं आनंद

शादी के बाद ऐक्ट्रेस सोनम कपूर का मुंबई और लंदन के बीच काफी आना-जाना लगा हुआ है। उनको काफी मशक्कत करके अपनी वर्क और पर्सनल लाइफ मैनेज करनी पड़ रही है। इश वक्त वह मुंबई में हैं और अपनी अपकमिंग फिल्म द जोया फैक्टर में बिजी हैं। फिल्म का ट्रेलर रिलीज होने वाला है। हाल ही में सोनम ने इंस्टाग्राम पर लिखा था कि आनंद से दूर रहने पर उनके लिए कैसे हर चीज बेकार है। अब उनके पति आनंद ने भी अपने इंस्टा हैंडल पर अपना प्यार जताया है। उन्होंने पोस्ट किया कि उन्हें सोनम की याद आ रही है। आनंद ने उनकी फिल्म आई हेट लव स्टोरीज की कुछ स्टिल्स शेयर करके लिखा सोनम मिसिंग यू। अच्छी बात यह है कि जब मुझे याद आती है तो मैं तुम्हें देख सकता हूं। इसी बीच वर्क फ्रंट पर बात करें तो सोनम के फैंस को उनकी अपकमिंग फिल्म का इंतजार है, उन्होंने जबसे टीजर शेयर किया है यह इंतजार और भी बढ़ गया है।

'खाली पीली' में दिखेगी ईशान खट्टर और अनन्या पांडे की जोड़ी

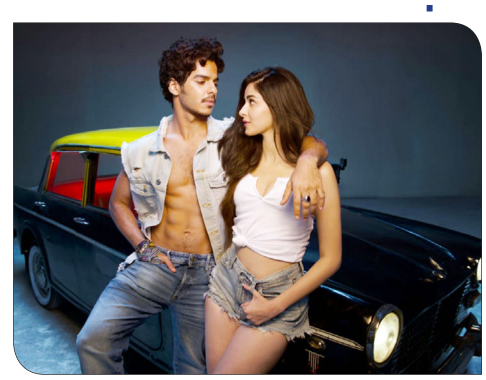

पिछले कुछ दिनों इस बात की चर्चा थी कि अनन्या पांडे को ईशान खट्टर के ऑपोजिट एक फिल्म में साइन किया गया है। और अब यह बात कन्फर्म भी हो गई है। अनन्या अब ईशान के ऑपोजिट फिल्म 'खाली पीली' में नजर आएंगी, जिसे मकबूल खान डायरेक्ट करेंगे। ट्रेड ऐनालिस्ट और फिल्म क्रिटिक तरण आदर्श ने ट्विटर के जरिए इसकी जानकारी दी। उन्होंने इस फिल्म का फर्स्ट लुक शेयर करते हुए लिखा, यह ऑफिशल हो चुका है। ईशान खट्टर और अनन्या पांडे 'खाली पीली' में नजर आएंगे, जिसे जी स्टूडियोज और 'टाइगर जिंदा है', 'सुल्तान' और 'भारत' जैसी फिल्में डायरेक्ट करने वाले अली अब्बास जफर प्रड्यूस करेंगे। फिल्म की शूटिंग 11 सितंबर 2019 से शुरू होगी और यह 12 जून 2020 को रिलीज होगी। फर्स्ट लुक पोस्टर में अनन्या और ईशान की जोड़ी काफी हॉट लग रही है।